

विधानसभा में बवाल पर भड़के योगी, बोले- सपा को संविधान पर भरोसा नहीं, राम मंदिर विवाद पर कही बड़ी बात

संवाददाता। लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर दान में हेराफेरी के आरोपों पर विपक्ष, विशेषकर सपा और कांग्रेस, को आड़े हाथों लेते हुए इसे आस्था पर हमला बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध 1 पर गठित एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट में किसी साधु-संत की संलिप्तता नहीं मिली है, जबकि आठ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है और जांच न्यायालय की निगरानी में है। अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी के आरोपों के बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष की आलोचना करते हुए इसे भारत की आस्था पर हमला बताया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज विधानसभा में पूरे राज्य ने समाजवादी पार्टी और विपक्ष का व्यवहार देखा। यह व्यवहार न केवल सदन का अपमान है, बल्कि अलोकतांत्रिक और शर्मनाक भी है। सदन नियमों और परंपराओं



के पास लंबित किसी भी मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों में, यदि अध्यक्ष को लगता है कि चर्चा से जांच प्रक्रिया में कोई बाधा नहीं आएगी, तो वे अनुमति दे सकते हैं। समाजवादी पार्टी ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में यह भी आश्वासन दिया था कि वे जिन मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, उनके लिए नोटिस देंगे। अयोध्या राम मंदिर का मामला अदालत

में लंबित है। मामले की गंभीरता को समझने के बावजूद, उन्होंने न केवल सदन का अपमान किया है, बल्कि अदालत की चल रही प्रक्रिया का भी अपमान करने की शर्मनाक कोशिश की है। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि जिनका मुख्य मकसद ही हंगामा करना रहा हो, उन्हें लोकतांत्रिक कैसे कहा जा सकता है? वे शहला बोलश में यकीन रखते हैं। वे संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। अयोध्या मामले में, जहाँ ये लोग चंदा चोरी की बात करते हैं, वहाँ चंदा चोरी नहीं हुई थी। मामला बढ़ावे से जुड़ा था। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को पत्र लिखकर कहा कि अखबारों और मीडिया में इस बारे में जानकारी आई

है, और हम चाहते हैं कि ट्रस्ट, कोर्ट द्वारा बनाया गया एक चैरिटेबल ट्रस्ट है। राज्य सरकार, ट्रस्ट के अनुरोध या कोर्ट के फैसले के बिना इस मामले में दखल नहीं दे सकती थी। उन्होंने कहा कि 23 जून को SIT ने अपनी रिपोर्ट सौंपी। ट्रस्ट ने 25 जून को थर्ड दर्ज कराई। FIR के बाद, सबूतों के आधार पर आठ लोगों को पकड़ा गया। कोर्ट ने आगे की कार्रवाई के लिए पूरे मामले को अपनी निगरानी में ले लिया। इस मामले में किसी संत या साधु की कोई भूमिका नहीं पाई गई। मंदिर परिसर में 1100 से ज्यादा लोग काम करते हैं, जिनमें से 8 लोगों की भूमिका पाई गई। संतो, साधुओं, अयोध्या राम, राम जन्मभूमि मंदिर और कर्मचारियों को बदनाम करना बहुत हैरानी की बात है। वे आरोपों और कांग्रेस लगा रहे हैं, जिन्होंने हमेशा राम जन्मभूमि और भगवान राम का अपमान किया है।

जयपुर करणी सेना के प्रदर्शन में एक प्रदर्शनकारी की मौत ,यूसीजी 2026 को लेकर हो रहा था भारी विरोध

एजेंसी। दिल्ली। श्री राजपूत करणी सेना के प्रदर्शन के दौरान पुलिसिया कार्रवाई और पानी की बौछार से घायल देवराज सिंह की मौत ने सुरक्षा बलों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। संगठन का आरोप है कि पुलिस के बल प्रयोग के कारण ही प्रदर्शनकारी की जान गई है, जबकि फिलहाल आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। कीवर्ड करणी सेना पुलिस कार्रवाई देवराज सिंह की मौत राजस्थान पुलिस जयपुर विरोध प्रदर्शन। श्री राजपूत करणी सेना की ओर से यहां आयोजित प्रदर्शन के बाद एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। संगठन ने दावा किया है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई के कारण उसकी जान चली गई। सोमवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

(यूजीसी) के यूजीसी विनियम-2026 वापस लेने तथा सवर्ण समाज से जुड़ी अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया था। करणी सेना के नेताओं के अनुसार मृतक की पहचान डीडवाना-कुचामन जिले के पालाड़ा के निवासी देवराज सिंह के रूप में हुई है। संगठन का दावा है कि प्रदर्शन के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया। करणी सेना ने कहा कि बाद में देवराज सिंह को सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि पुलिस की ओर से किए गए पानी की बौछार किये जाने से देवराज सिंह घायल हो गए थे। उन्होंने कहा, “कालवाड़ रोड पर पुलिस ने पानी की बौछार की। पानी



ने दावा किया कि घर पहुंचने पर देवराज सिंह ने सीने में दर्द की शिकायत की और उसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने अभी तक मौत के सटीक कारण की पुष्टि नहीं की है। सोमवार को

प्रदर्शन के दौरान कालवाड़ रोड सहित कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों

और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार की थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की की घटनाएं भी सामने आई थीं।

केन्द्रीय मंत्री सिधिया और मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की उपस्थिति में मुंबई में आयोजित होगा टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन इन्वेस्टर्स मीट एवं रोडशो

नई दिल्ली में आयोजित प्रथम इन्वेस्टर्स राउंडटेबल के दौरान एचएफसीएल, डिक्सन, वीवीडीएन, कॉक्स एंड किंग्स इंक. सहित अनेक अग्रणी उद्योग समूहों ने इस परियोजना में निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उद्योग जगत की यह सकारात्मक भागीदारी भारत की दूरसंचार नीति, विनिर्माण क्षमता तथा निवेश-अनुकूल वातावरण में बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिधिया और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में 4 अगस्त 2026 को मुंबई में आयोजित टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन (जडी) इन्वेस्टर्स मीट एवं रोडशो आयोजित होगा। इस अवसर पर दूरसंचार विभाग के सचिव अमित अग्रवाल तथा मध्य प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव भी उपस्थित रहेंगे। ग्वालिपूर में भारत के पहले टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन के शुभारंभ के बाद आयोजित यह दूसरा प्रमुख इन्वेस्टर मीट होगा, जिसका उद्देश्य देश के दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र में उद्योगों की भागीदारी बढ़ाना, नए निवेश आकर्षित करना तथा आत्मनिर्भर भारत के विजन को नई गति

प्रदान करना है। विदित रहे कि नई दिल्ली में आयोजित प्रथम इन्वेस्टर्स राउंडटेबल में ६3,500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिनसे लगभग 14 हजार रोजगार सृजित होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि 30 जुलाई को भारत सरकार के दूरसंचार विभाग और मध्य प्रदेश शासन के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के साथ ग्वालिपूर में देश के पहले टेलीकॉम मैनुफैक्चरिंग जोन का शुभारंभ हुआ था। यह पहल भारत में दूरसंचार विनिर्माण के लिए एक समर्पित और



एकीकृत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। मुंबई में आयोजित होने वाला रोडशो और मीट इसी राष्ट्रीय अभियान का अगला महत्वपूर्ण चरण होगा। नई दिल्ली में आयोजित प्रथम इन्वेस्टर्स राउंडटेबल में देश की अग्रणी दूरसंचार एवं प्रौद्योगिकी कंपनियां ने ६3,500 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इन निवेशों से लगभग 14 हजार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। मुंबई इन्वेस्टर्स मीट के माध्यम से इस अभियान को और गति देते हुए कुल

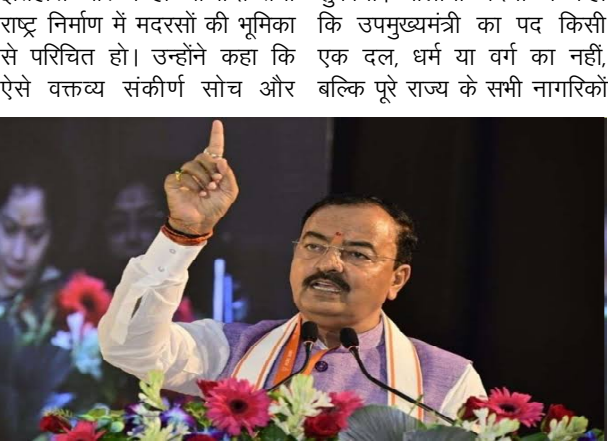
उद्योग समूहों ने इस परियोजना में निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उद्योग जगत की यह

सकारात्मक भागीदारी भारत की दूरसंचार नीति, विनिर्माण क्षमता तथा निवेश-अनुकूल वातावरण में बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। अब मुंबई इन्वेस्टर्स मीट से सरकार और उद्योग जगत के बीच सहयोग को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह पहल भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी टेलीकॉम विनिर्माण एवं नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने, बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने तथा उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

केशव प्रसाद मार्या के मदरसा शिक्षा वाले बयान पर शिवपाल यादव ने की कड़ी प्रतिक्रिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मदरसा शिक्षा को लेकर दिए गए बयान पर राजनीतिक और धार्मिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव ने इस बयान की कड़ी आलोचना की है। लखनऊ, चार अगस्त उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मंगलवार को कहा कि जो कोई भी मदरसा शिक्षा प्राप्त करता है, उसके भीतर “एक आतंकी जैसी सोच” विकसित होती है। उपमुख्यमंत्री ने विधान भवन में संवाददाताओं से कहा, “जिसे भी मदरसा शिक्षा मिलती है, वह भारत माता की जय नहीं बोलता और न ही वंदे मातरम गीत गाता है। उसके भीतर एक आतंकवादी जैसी सोच विकसित होती है।” मौर्य के इस बयान पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने कहा,

“भाजपा सभी आतंकियों को पालती है और वे उनके कार्यालयों में पाए जाते हैं। भाजपा इन सभी आतंकियों को प्रशिक्षण देती है और ये इनके कार्यालयों और घरों में पाए जाते हैं।” इस बीच, मुसलमानों के प्रमुख संगठन जमीयत उलमा-ए-हिंद (एएम) ने मौर्य के बयान को ‘सांप्रदायिकता की इतैहा’ करार दिया है। संगठन के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने मौर्य के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि जिनके पुरखों ने अंग्रेजों से माफी मांगी, वे आज मदरसों पर आतंकवाद का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का ऐसा भड़काऊ और गैर-जिम्मेदाराना बयान न केवल उस पद की गरिमा के विरुद्ध है, बल्कि देश की महान धार्मिक एवं शैक्षिक परंपरा, स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास तथा भारतीय संविधान का भी अपमान है। मदनी ने कहा कि ऐसा बयान वही व्यक्ति दे सकता है, जो न तो देश के



नकारात्मक धारणा का प्रतीक है। मदनी ने कहा कि जिन मदरसों को आज आतंकवाद का अड्डा कहा जा रहा है, उन्हीं मदरसों से निकले उलमा ने सबसे पहले देश की आजादी का बिगुल फूँका था, फांसी के फंदों को हंसते हुए चूना था, अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों का डटकर सामना किया, लेकिन विदेशी शासन के सामने कभी सिर नहीं

झुकाया। मौलाना मदनी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री का पद किसी एक दल, धर्म या वर्ग का नहीं, बल्कि पूरे राज्य के सभी नागरिकों

का संवैधानिक पद है। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा की शपथ लेने वाले हर जिम्मेदार व्यक्ति का दायित्व है कि वह समाज में एकता, विश्वास और आपसी सम्मान को मजबूत करे, न कि ऐसे बयान दे, जिनसे करोड़ों नागरिकों की भावनाएं आहत हों और सामाजिक सौहार्द को क्षति पहुंचे।

पूर्व प्रेमी की हत्या, महिला और वर्तमान प्रेमी गिरफ्तार

संवाददाता।

मऊ के सरायलखंसी थाना क्षेत्र में एक शादीशुदा महिला ने अपने वर्तमान प्रेमी के साथ मिलकर कथित पूर्व प्रेमी की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। मऊ (उप्र), चार अगस्त सरायलखंसी थाना क्षेत्र में कथित पूर्व प्रेमी की हत्या के मामले में एक शादीशुदा महिला और उसके वर्तमान प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपी फरार है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मऊ में सरायलखंसी थाना क्षेत्र के मुंगेश्वर सुल्तानपुर (कांशीराम कॉलोनी) में सोमवार तड़के एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गयी। शुक्रात में मृतक की पहचान और घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं, लेकिन पुलिस

की गहन जांच में पूरा मामला प्रेम प्रसंग और आपसी रंजिश का निकला। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान गाजीपुर जिले के जंगीपुर निवासी असगर अली के रूप में हुई जो यहां किराये पर रहता था। अपर पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनूप कुमार ने बताया कि अपने पति से करीब डार्ड वर्ष से अलग रह रही शाजादी, असगर अली के संपर्क में थी। महिला के पांच बच्चे हैं जिनमें बड़ी बेटी की शादी भी हो चुकी है। पूछताछ में आरोपी महिला ने पुलिस को बताया कि पति से अलग रहने के दौरान उसकी दोस्त असागर अली से हुई जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। महिला ने पुलिस से कहा कि कुछ समय बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया और इसी दौरान उसकी नजदीकियां मुन्शीपुरा के निवासी आकाश राव से बढ़ी। आरोपी का कहना है कि असगर को इस



संबंध की जानकारी होने पर उसने उसका विशेष किया और कथित रूप से उसके साथ मारपीट भी की। एसपी ने बताया कि इसी के बाद महिला ने आकाश राव के साथ मिलकर असगर को रास्ते से हटाने की साजिश रची और उसके अनुसार सुल्तानपुर में (कांशीराम आवास) एक किराये का कमरा लिया गया। कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 4:40 बजे आकाश राव अपने साथी सूरज राजभर के साथ वहां पहुंचा

अपराध कर विदेश भागने वालों पर बड़ा प्रहार, 36 देशों में ऑपरेशन लिशूल चलाकर 274 भगोड़ों को भारत लाकर मोदी सरकार ने रचा इतिहास

दिल्ली। आज भारत ने एक ऐसा एकीकृत, खुफिया-आधारित और अत्याधुनिक तकनीक से लैस मॉडल विकसित किया है, जिसके माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधियों का पता लगाकर उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया तेज और प्रभावी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में भारत ने भगोड़े अपराधियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई छेड़ दी है। वर्ष 2019 से 2026 के बीच दुनिया के 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाकर मोदी सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि अब अपराध करके विदेश भाग जाना सुरक्षित विकल्प नहीं रह गया है।



लगाकर उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया तेज और प्रभावी हुई है। हम आपको बता दें कि मोदी सरकार की रणनीति तीन मजबूत स्तंभों पर वैश्विक अभियान, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति पर आधारित रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि भगोड़े अपराधियों का मुद्दा केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि देश की सम्प्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और न्याय व्यवस्था से जुड़ा विषय है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने लगातार कानूनी और संस्थागत सुधार किए हैं। हम आपको याद दिला दें कि मोदी सरकार ने वर्ष 2019 में छप। संशोधन अधिनियम और नए। संशोधन अधिनियम लागू किए, जबकि वर्ष 2024 में पहली बार ठरछे की धारा 355 और 356 के माध्यम से श्वायल इन एक्सेन्शियास का प्रावधान किया गया। अब कोई अपराधी विदेश में बैठकर भारतीय कानून का मजाक नहीं उड़ा सकेगा। उसकी

अनुपस्थिति में भी मुकदमा चल सकेगा और न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इंटरपोल और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया है। पिछले तीन वर्षों में 401 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए। वर्ष 2025 में लॉन्च किए गए भारतपोल (ठग-तज्ज्हे) ने 1,400 से अधिक केंद्रीय और राज्य एजेंसियों को इंटरपोल नेटवर्क से जोड़कर सूचना साझा करने की प्रक्रिया को कई स्तरों पर घटाकर महज 3 से 10 दिन तक सीमित कर दिया है। इसके अलावा, मोदी सरकार ने आर्थिक अपराधियों के खिलाफ भी अभूतपूर्व कार्रवाई की है। चर्च। के सख्त क्रियान्वयन के चलते वर्ष 2019 से 2026 के बीच ६17,874 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई, जबकि ६18,762 करोड़ की राशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई। यह उन लोगों के लिए

स्पष्ट संदेश है जो देश का पैसा लूटकर विदेश भाग जाने का सपना देखते हैं। साथ ही विदेशों में नाम और पहचान बदलकर छिपे अपराधियों को खोजने के लिए शॉपरेशन त्रिशूल चलाया गया, जिसमें सैटेलाइट तकनीक, डिजिटल फुटप्रिंट, जियो-लोकेशन और प्रोफाइल मैपिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया। इससे यह साबित हुआ कि आधुनिक भारत की सुरक्षा एजेंसियों की पहुंच अब सीमाओं से कहीं आगे तक है। इन्हीं सब प्रयासों के चलते वर्ष 2019 से 2026 के बीच भारत 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को वापस लाने में सफल रहा। इनमें आतंकवादी, गैंगस्टर, आर्थिक अपराधी, मादक पदार्थ तस्कर, हत्या, चूकर्म, पॉक्सो, साइबर अपराध, मानव तस्करी और संगठित अपराध से जुड़े आरोपी शामिल हैं। यह उपलब्धि भारत की बढ़ती वैश्विक साख, मजबूत कानूनी रीढ़ारी और प्रभावी कूटनीति का प्रमाण है। तहखुर हुसैन राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भी इस बात का उदाहरण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भारत अब आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोपियों को भी किसी कीमत पर नहीं छोड़ेगा।

अनुपूरक बजट पर शिवपाल यादव का सरकार पर हमला ‘प्रदेश को अतिरिक्तबजट नहीं, ईमानदार नीयत और जवाबदेह शासन चाहिए’

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जसवंतनगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत अनुपूरक बजट को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मूल बजट का बड़ा हिस्सा खर्च करने में विफल रही है और अब अनुपूरक बजट के माध्यम से अपनी प्रशासनिक एवं वित्तीय नाकामी पर पर्दा डालने का प्रयास कर रही है। उनका कहना है कि प्रदेश को अतिरिक्त बजट की नहीं, बल्कि बेहतर वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता और जवाबदेह शासन व्यवस्था की आवश्यकता है।शिवपाल सिंह यादव ने कहा

उत्तर प्रदेश विधानसभा में 59,019.54 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश, नई योजनाओं और विकास कार्यों के लिए अतिरिक्तधनराशि का प्रस्ताव

लखनऊ,(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए विधानसभा में 59,019.54 करोड़ का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। सरकार का कहना है कि यह अतिरिक्त बजट राज्य की बढ़ती वित्तीय आवश्यकताओं, नई योजनाओं के संचालन, विकास कार्यों को गति देने तथा उन मदों के लिए धन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लाया गया है, जिनके लिए मूल बजट में पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। यह अनुपूरक अनुदान संविधान के अनुच्छेद 205 के तहत सदन की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया गया है।सरकार की ओर से जारी प्रस्तावनिक टिप्पणी में कहा गया है कि किसी वित्तीय वर्ष के दौरान यदि किसी विभाग या योजना के लिए स्वीकृत धनराशि वास्तविक आवश्यकताओं की तुलना में कम पड़ जाती है अथवा नई योजनाओं

कि जिस सरकार से अपना मूल बजट ही 30 से 50 प्रतिशत तक खर्च नहीं हो पाया, वह अब अनुपूरक बजट के नाम पर नई घोषणाएं कर रही है। उनके अनुसार यदि पहले से स्वीकृत योजनाओं और विभागों के लिए आवंटित धनराशि का समुचित उपयोग ही नहीं हो सका, तो अतिरिक्त बजट लाने का औचित्य भी सवालों के घेरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के बजाय प्रचार–प्रसार पर अ्धिाक ध्यान दे रही है।उन्होंने धार्मिक आस्था से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा ने प्रमु राम के नाम पर राजनीति की, लेकिन रामलला के दरबार में चढ़ावे

को लेकर उठे सवालों और कथित गड़बड़ियों पर भी अब तक स्पष्ट जवाबदेही तय नहीं हो सकी। ऐसे में प्रदेश के सरकारी खजाने और वित्तीय संसाधनों के उपयोग को लेकर जनता का विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि जब आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, तब सरकारी धन के उपयोग पर भी गंभीर प्रश्न उठना लाजिमी है।सपा नेता ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जवाबदेही तय करने के बजाय बहाने बनाने में अधिक लगन रखती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सामने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों और बुनियादी सुविधाओं

जैसी अनेक गंभीर चुनौतियां हैं, जिनके समाधान के लिए प्रभावी वित्तीय प्रबंधन और योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन आवश्यक है।शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश को अनुपूरक बजट की बजाय ऐसी सरकार की जरूरत है, जो उपलब्ध संसाधनों का ईमानदारी से उपयोग करे, जनता के प्रति जवाबदेह हो और विकास को प्राथमिकता दे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकताएं जनहित से अधिक राजनीतिक प्रचार पर केंद्रित हैं, जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार को नई योजनाओं के अलावा नई योजनाओं

इसमें राजस्व मद के अंतर्गत ६17,399.50 करोड़ तथा पूंजीगत मद के अंतर्गत ६41,620.04 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया गया है। पूंजीगत व्यय का हिस्सा अधिक होने से स्पष्ट है कि सरकार बुनियादी ढांचे, निर्माण कार्यों और विकास परियोजनाओं पर अतिरिक्त निवेश की योजना बना रही है।सरकार के अनुसार यह अतिरिक्त धनराशि मुख्य रूप से उन विभागों के लिए मांगी गई है, जहां मूल बजट में स्वीकृत राशि वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त नहीं रह गई है। इसके अलावा नई योजनाओं, नई परियोजनाओं तथा विषेष व्यय मदों के लिए भी बजटीय व्यवस्था की जानी है। अनुपूरक अनुदान के साथ प्रत्येक विभाग और अनुदान का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया गया है, जिसमें लेखा शीर्षकार ६।नराशि तथा उसके औचित्य का

उल्लेख किया गया है।प्रस्ताव में

प्रयागराज अदालत का सांसद पप्पू यादव को तलब करने का आदेश, साधु वेश में प्रदर्शन के मामले में दर्ज होगा आपराधिक मुकदमा

विधि विभाग के प्रदेश सह–संयोजक एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुशील कुमार मिश्रा द्वारा दायर परिचाय पर आधारित है। शिकायतकर्ता ने अदालत में आरोप लगाया कि संसद भवन के सामने साधु का वेश धारण कर कथित रूप से मंदिर के दान पात्र से चंदा चोरी का अभिनय किया गया, जिससे सनातन धर्म, साधु–संतों, पुजारियों और हिंदू समाज की ६ार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया। शिकायत में कहा गया कि इस प्रदर्शन के माध्यम से समाज में भ्रम और वैमनस्य फैलाने की कोशिश की गई।शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोध्या स्थित राम मंदिर के दान पात्र से धनराशि चोरी की वास्तविक घटना को आधार बनाकर उसका कथित रूप से भ्रामक और

कूटरचित प्रदर्शन किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कथित कृत्य के माध्यम से धार्मिक प्रतीकों और साधु–संतों की छवि को धूमिल करने तथा समाज में तनाव पैदा करने का प्रयास किया गया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया कि पप्पू यादव के विरुद्ध पहले से विभिन्न आपराधिाक मामले दर्ज होने का दावा किया गया है।परिवाद पर सुनवाई के बाद अदालत ने प्रथम दृष्टया आरोपों का संज्ञान लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 338, 196, 298, 299 और 356 के तहत मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। न्यायालय ने पप्पू यादव को नोटिस जारी करते हुए 11 अगस्त 2026 को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। अब मामले की अगली

सुनवाई निर्धारित तिथि पर होगी, जहां दोनों पक्ष अपने–अपने तर्क और साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे।कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, अदालत द्वारा मुकदमा दर्ज करने और समन जारी करने का अर्थ यह नहीं है कि आरोप सिद्ध हो गए हैं। यह न्यायिक प्रक्रिया का प्रारंभिक चरण है, जिसमें अदालत यह मानती है कि प्रस्तुत शिकायत पर सुनवाई का आधार बनता है।।अंतिम निर्णय न्यायालय में साक्ष्यों, गवाहों और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर किया जाएगा।यह मामला अब राजनीतिक और कानूनी दोनों दृष्टियों से चर्चा का विषय बन गया है। एक ओर शिकायतकर्ता इसे ६ार्मिक भावनाओं और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा गंभीर मामला बता रहे हैं,

14 अगस्त को पूरे उत्तर प्रदेश में मनाया जाएगा ‘विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस’, मुख्यमंत्री करेंगे राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ, 75 जिलों में होंगे विशेष आयोजन

लखनऊ,(आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को उत्तर प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस–202६ का आयोजन करेगी। राज्य स्तरीय कार्यक्रम राजधानी लखनऊ मेंमुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित होगा, जबकि प्रदेश के सभी 75 जनपदों में भी व्यापक स्तर पर कार्यक्रम होंगे। इन आयोजनों का उद्देश्य वर्ष 1947 के भारत विभाजन की त्रासदी से नई पीढ़ी को परिचित कराना, विभाजन के दौरान प्रभावित परिवारों के संघर्ष, साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि देना तथा राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देना है।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शनी, मौन जुलूस, शांति पाठ, व्याख्यान, परिचर्चा, कैंडल मार्च तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का

उद्देश्य केवल इतिहास को याद करना नहीं, बल्कि युवाओं को यह बताना भी है कि विभाजन जैसी त्रासदी से देश ने क्या सीखा और राष्ट्रीय एकता का महत्व कितना बड़ा है।राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथि विभाजन विभीषिका पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। यह प्रदर्शनी भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री तथा विभाजन के समय विस्थापित होकर भारत आए परिवारों की स्मृतियों, दस्तावेजों, चित्रों और अन्य ऐतिहासिक वस्तुओं पर आधारित होगी। प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद जीपीओ पार्क से लोकभवन तक मौन जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन भी रखा जाएगा।कार्यक्रम में मतुआ समुदाय के इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान पर आधारित एक विशेष वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इसके साथ ही विभाजन से

संबंधित पुस्तकों और ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिससे आमजन और विशेष रूप से युवा पीढ़ी उस दौर की परिस्थितियों को समझ सके।सरकार ने निर्देश दिए हैं कि सभी 75 जिलों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विभाजन विभीषिका पर विशेष व्याख्यान, संगोष्ठियां और चर्चाएं आयोजित की जाएं। इसके अलावा शरणार्थियों की पहली और दूसरी पीढ़ी के लोगों की भागीदारी के साथ बरितयों बाजारों और शिक्षण संस्थानों में मौन जुलूस, शांति पाठ और कैंडल मार्च निकाले जाएंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर संक्षिप्त संबंधन भी कराया जाएगा, ताकि विभाजन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उससे मिलने वाली सीख समाज तक पहुंच सके।इस आयोजन में विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इनमें सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश सिंधी सभा,

सिंधी अकादमी, सनातनी पंजाबी महासभा तथा बंगाली समुदाय सहित अनेक संस्थाएं सहयोग करेंगी। विभाजन के समय भारत आए परिवारों को अपनी स्मृतियों और ऐतिहासिक सामग्रियों के प्रदर्शन के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा।सूचना एवं जनसंपर्क विभाग लखनऊ के जीपीओ पार्क में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन करेगा, जबकि संस्कृति विभाग पूरे कार्यक्रम का समन्वय करेगा। जनपद स्तर पर आयोजन स्थल का निर्धारण संबंधित जिलाधिाकारी करेंगे। इसके लिए सभी जिलों को विस्तृत दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं।प्रदेश सरकार का मानना है कि ‘विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस’ केवल अतीत की पीड़ा को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द को और अधिक मजबूत बनाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।

लखनऊ।राजधानी में एक बार

उपकेंद्र से समय पर उपकरण नही मिलने पर उपभोक्ताओं ने झेला 03 घण्टे बिजली संकट

सौरभ जायसवाल

लखनऊ।राजधानी में एक बार फिर कर्मचारियों की जरा सी नादानी से देर रात्रि 03 घण्टे तक बिजली संकट झेला।दरअसल मेडिकल कॉलेज उपकेंद्र के अंतर्गत टेढ़ी बाजार में रात्रि करीब 12 बजकर 15 मिनट पर उपकेंद्र की तरफ से टेढ़ी बाजार फीडर का शटडाउन इस कारण लिया गया कि टेढ़ी बाजार में धीरू अवस्थी काम्प्लेक्स के बगल में एबीसी केबल में आग लगी हुई

है।फिर लाइन मैन द्वारा एबीसी केबल की मरम्मत में लगने वाले उपकरण लेने उपकेंद्र पहुँचा तो करीब डेढ़ घण्टे के बाद लाइनमैन को जब विद्युत उपकरण मिले तो करीब रात्रि 02 बजे लाइन मैन संजय द्वारा तेजी से कार्य करते हुए एबीसी केबल की मरम्मत करके करीब रात्रि 03 बजे सप्लाई नार्मल कराई।



दो महिलाओं सहित तीन दिव्यांगों की सनसनीखेज हत्या

प्रयागराज। शाहगंज थाना क्षेत्र के गढ़ी कला में मंगलवार को एक ही कमरे के अंदर पति, पत्नी और एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बिस्तर पर तीनों का खून से लथपथ शव मिला। तीनों बोल–सुन नहीं सकते थे। वारदात का पता तब चला, जब सुबह कमरे का दरवाजा आधा खुला देख पड़ोसियों ने अंदर झांका। लार्शं देखकर चीख–पुकार मिला। आनन–फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मकान मालकिन के बेटे को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहगंज थाना क्षेत्र के गढ़ी कला मोहल्ले में सुशीला देवी का तीन मंजिला मकान है। बेटे पंकज (30) के साथ ग्राउंड फ्लोर पर

रहती हैं। पंकज ऑटो–रिक्शा चलाता है। पति की मौत हो चुकी है। पहली मंजिल पर मृतक दंपति रहते थे। दूसरी मंजिल पर तीन लड़के अतुल सिंह, धनंजय सिंह, ऋषि सिंह रहते हैं। तीनों रेलवे स्टेशन पर घूम–घूमकर खाने का सामान बेचते हैं।सुशीला ने बताया कि दंपति पिछले 6 महीने से हमारे यहां रह रहे थे। कबाड़ बीनने का काम करते थे। उसे मोहल्ले के ही कबाड़ कारोबारी श्यामलाल को बेचते थे। पति–पत्नी मूक–बधिर थे, इसलिए मोहल्ले में कोई उन्हें नाम से नहीं पुकारता था। सोमवार को उनसे मिलने एक महिला आई थी। सुशीला देवी ने बताया कि मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा था। रिश्तेदार समझकर उनसे कोई पूछताछ भी नहीं की। इसके बाद मैं रात 12 बजे सोने चली गई। मंगलवार सुबह जब उठकर बाहर आई तो उनके कमरे का दरवाजा

खुला था। पड़ोसियों को जाकर देखने को कहा। पड़ोसियों ने अंदर झांका, तब पता चला कि तीनों की हत्या हो चुकी है।कबाड़ कारोबारी श्यामलाल के अनुसार वह मृतक दंपति को पिछले 20 सालों से जानते थे। दोनों खुद को कोलकाता का रहने वाला बताते थे। शुरुआत में दोनों फुटपाथ पर ही रहते थे, लेकिन बाद में किराए का मकान लेकर रहने लगे। जिस मकान में वे अभी रह रहे थे, उसमें करीब ढाई साल पहले भी किराए पर रह चुके थे। बीच में वे दूसरी जगह चले गए थे।6 महीने पहले ही दोबारा यहां रहने आए थे।श्यामलाल ने बताया कि दोनों का किसी से कोई विवाद नहीं था। घटना में जिस तीसरी महिला की लाश मिली है, वह भी कभी–कभी उनके

साथ कबाड़ बेचने आती थी। वह महिला शराब पीने की आदी थी। कल भी शराब के नशे में दुकान



पर आई थी। उसके पति की मौत हो चुकी है। डीसीपी सिटी मनीष शांडिल्य ने बताया कि किराए के कमरे में दो महिलाओं और एक पुरुष का शव मिला है। सभी मूक–बधिर थे।

कोचिंग के कमरे में बंद कर मां-बेटे को पीटा: मैनेजर समेत दो नामजद एफआईआर दर्ज, मां ने लगाया धर्म के नाम पर भेदभाव का आरोप

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित आकाश कोचिंग इंस्टीट्यूट के प्रबंधन और स्टाफ पर एक महिला ने आरोप लगाया है कि उसके 17 साल के बेटे के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव किया। विरोध करने पर उसे और उसके बेटे को कमरे में बंद कर पिटाई की। जान से मारने की ६।मकी दी। मामले में सिविल लाइंस थाने में मैनेजर समेत दो नामजद व अन्य अज्ञात पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवकुटी थाना क्षेत्र के मेहदौरी

की निवासी एक महिला ने सिविल लाइंस थाना मे एफआईआर दर्ज कराई है कि उसने मार्च 202६ में अपने बेटे का दाखिला कोचिंग में कराया था। कुछ दिनों बाद छात्र ने कोचिंग जाना बंद कर दिया। पूछने पर उसने आरोप लगाया कि वहां धर्म के नाम पर उसके साथ भेदभाव किया जाता है। शिकायत के बाद मैनेजर वैभव ने भविष्य में सुधार का आश्वासन दिया, लेकिन बेटे के साथ दुर्व्यवहार जारी रहा। महिला का कहना है कि अन्य छात्रों को किताबें और ड्रेस दी गई, जबकि उसके बेटे को यह सुविधाएं नहीं

दी गईं। बीती 25 जुलाई को छात्र ने फोन कर बताया कि उसे कोचिंग से बाहर निकाल दिया गया है। मां जब मौके पर पहुंची तो वहां दो अन्य छात्र भी मौजूद थे। आरोप है कि पानी पीने को लेकर हुए विवाद के बाद तीनों छात्रों को पीटकर बाहर कर दिया गया। महिला का आरोप है कि जब उसने और अन्य अभिभावकों ने घटना की जानकारी मांगी तो कोचिंग स्टाफ ने हमला कर दिया। आरोप है कि महिला के बाल पकड़कर उसे कमरे में धकेला गया और बेटे को भी पीटते हुए

उसी कमरे में बंद कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को बाहर निकाला।

महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि शिकायत करने और बेटे का दूसरे कोचिंग में दाखिला कराने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। साथ ही दाखिले के समय सादे कागजों पर कराए गए हस्ताक्षरों के दुरुपयोग की आशंका भी जताई गई है। घटना के बाद अब सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इविवि कैंपस में सुरक्षाकर्मियों ने छात्र से की मारपीट दिशा का आरोप- पीटकर गेट के बाहर किया, पेठ पर आई गहरी चोटें

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को दिशा छात्र संगठन के सदस्य और दर्शनशास्त्र विभाग के छात्र प्रियांशु कुमार के साथ कथित तौर पर विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों ने मारपीट की।प्रियांशु ने आरोप लगाया कि दस्तावेज सत्यापन कर लौटते समय सीनेट गेट के सामने प्रदर्शन देख रहे थे। तभी सुरक्षाकर्मियों सहित दर्जनों गार्ड्स ने उन पर हमला कर दिया। मारपीट कर गाली–गलौच की। प्रियांशु कुमार का एडमिशन दर्शनशास्त्र विभाग में हुआ है। प्रियांशु के अनुसार अनलाइन प्रक्रिया पूरी कर लेने और फीस जमा कर देने के बाद आज भौतिक दस्तावेज सत्यापन के लिए दर्शनशास्त्र विभाग बुलाया गया था। दस्तावेज सत्यापन के बाद वापस आ रहा था तो देखा कि सीनेट गेट के सामने कुछ छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं और इस प्रदर्शन को सैकड़ों छात्र किनारे खड़े होकर देख रहे थे। वह भी किनारे खड़े होकर मुद्दा समझने की कोशिश करते हुए प्रदर्शनकारी छात्रों को देख रहा था। प्रियांशु ने आरोप लगाया कि तभी संतोष कुमार सिंह, नागेंद्र कुमार सिंह और दीपचन्द सहित दर्जनों छात्र मेरी तरफ गाली देते हुए झपटे। सबके सैन ही मेरा गल दबाने की कोशिश करने लगे, थपपड़ मारे, मेरे पेट में घुसे मारे और खींचकर मेरा बेल्ट तक तोड़ दिया। बेल्ट की खींचतान में मेरे पेट पर गहरी चोट आई है। मेरा पेट कई जगहों पर कट गया है। यह सब घटना चीफ प्राक्टर अतुल नारायण सिंह के सामने ही घटित हुई लेकिन वह सुरक्षाकर्मियों के सवाल पूछने की जगह मुझे ही धमकाने लगे जिसका विडिओ फुट्रेज भी मौजूद है। वहीं मामले पर विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि लंबे समय से कुछ तथाकथित छात्र विश्वविद्यालय में पठन–पाठन को बाधित कर रहे हैं। विश्वविद्यालय में कुलपति की शव यात्रा निकालना, उनको अपशब्द कहना और व्यक्तिगत आक्षेप लगाना, नारेबाजी करना, कैंपस में आवागमन को बाधित करना और अनाधिकृत रूप से कैंपस में प्रवेश करने की कोशिश करने जैसे कार्य कर रहे हैं।



सोरांव थाना क्षेत्र के धरिकाार का पूरा (मौजा अब्दालपुर खास) निवासी 16 वर्षीय शिवम लंबे समय से मानसिक बीमारी से पीड़ित है और उसका इलाज से बांधकर लाठी–डंडों व ६ारदार हथियारों से बेरहमी से पीटा। पीड़ित की मां का आरोप है कि आरोपियों ने किशोर के शरीर पर ब्लेड और सूजे से वार किए तथा घावों पर नमक और मिर्च भी डाल दी। पुलिस ने तहरीर में बताया कि सोमवार तड़के करीब तीन से चार बजे के बीच वह घर से निकलकर गांव के बाहर नहर की ओर चला गया था। शिकायत के अनुसार, नहर के पास मौजूद तिली का पूरा गांव के कुछ नामजद और अन्य अज्ञात लोगों ने शिवम को चोर

समझकर पकड़ लिया। आरोप है कि उसे अपने घर ले जाकर नीम के पेड़ से बांध दिया गया। इसके बाद लाठी–डंडों, गडासे, ब्लेड और सूजे से उसकी पिटाई की गई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि मारपीट में एक महिला भी शामिल थी। शिवम की मां के अनुसार घटना की जानकारी फोन पर मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचीं तो उनका चेता खून से लथपथ और अबेता अवस्था में मिला। उन्होंने तत्काल डायल–112 पर सूचना देकर

पुलिस को बुलाया। आरोप है कि पुलिस बुलाने से नाराज आरोपियों ने उन्हें भी घसीटकर पीटा और शिवम के घावों पर नमक व मिर्च डाल दी। पुलिस के पहुंचने के बाद किसी तरह किशोर को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया जा सका।घायल शिवम को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि शिकायत करने पर आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की ६।मकी भी दी है।

विधानसभा में हंगामे पर सपा विधायक इंजीनियर सचिन यादव पूरे सत्र के लिए निष्कासित, आचार समिति को भेजा जाएगा मामला

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन में हंगामा करने के आरोप में समाजवादी पार्टी के विधायक इंजीनियर सचिन यादव को खिलाफ अध्यक्ष ने कड़ी कार्रवाई की। विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें पूरे सत्र के लिए सदन से निष्कासित करने का आदेश दिया। साथ ही उनके आचरण के मामले को विधानसभा की आचार समिति (एथिक्स कमेटी) को भेजने की चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों के गंभीर उल्लंघन की स्थिति में सदस्यता समाप्त करने तक की कार्रवाई की जा सकती है।सदन की कार्यवाही के दौरान हुए हंगामे और अध्यक्ष के निर्देशों की अवहेलना को गंभीरता से लेते हुए यह निर्णय लिया गया।

वायरल् वीडियो प्रकरण विधायक विनोद सिंह ने किया पलटवार, महिला व उसके पति पर धोखाधड़ी के आरोप

फोटो न0—01, 02

सुल्तानपुर। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो प्रकरण में सुल्तानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह ने अपने ऊपर लगाए गए चरित्र संबंधी आरोपों को निराधार और मनगढ़ंत बताया है। शि्षाायक का कहना है कि आरोप लगाने वाली महिला और उसका पति पहले से ही धोखाधड़ी के आरोपी हैं तथा उनके विरुद्ध लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। उनका आरोप है कि गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य से उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं।



विधायक विनोद सिंह के अनुसार कोतवाली देहात क्षेत्र के बेलासदा निवासी शशांक पांडेय और उनकी पत्नी सोनिया उर्फ सोनी पांडेय लखनऊ स्थित उनके अपार्टमेंट में किराए पर रहते थे। विधायक का आरोप है कि शशांक ने स्वयं को प्रभावशाली लोगों से जुड़ा बताते हुए एफसीआई का वेयरहाउस दिलाने का भरोसा दिया और इस संबंध में कुछ दस्तावेज तैयार कराए। बाद में केंद्रीय भंडारण निगम के नाम से भेजा गया अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) सदिश्च लगा। जांच कराने पर वह कथित रूप से फर्जी पाया गया। विधायक का कहना है कि इसके बाद दोनों पति—पत्नी ने फोन बंद कर दिया और आवास छोड़ दिया। इस मामले में उन्होंने लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। विनोद सिंह ने यह भी दावा किया कि आरोपित पक्ष ने एफआईआर निरस्त कराने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन याचिका खारिज हो गई। उनका आरोप है कि इसके बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए उनकी पत्नी को आगे कर उन पर चरित्र संबंधी आरोप लगाए गए। विधायक ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। उल्लेखनीय है कि यह विधायक विनोद सिंह का पक्ष है। दूसरी ओर महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने हेतु भाजपा की जिला कार्यशाला सम्पन्न

मीरजापुर। को पं0 दीनदयालपुरम् ने प्रत्येक भारतीय के मन में कॉलोनी बरौंधा कचार स्थित राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, भारतीय जनता पार्टी जिला गौरव और आत्मीयता की भावना कार्यालय मीरजापुर के सभागार को और सशक्त किया है, प्रत्येक



में फ़र दृ घर तिरंगा अभियान के वर्ष सभी देशवासी हर्ष और सफल आयोजन को लेकर जिला उल्लास के साथ राष्ट्रोत्सव के कार्यशाला का आयोजन किया इस कार्यक्रम में बड़ चढ़कर भाग गया । कार्यशाला की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी मीरजापुर के जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण बिहारी राय जी रहे । मुख्य अतिथि कृष्ण बिहारी राय जी ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्र्णान्तमत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उत्साह के साथ कार्य करें । अच् यक्षीय उद्बोधन में जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज जी ने कहा कि तिरंगा अभियान आज एक राष्ट्र भक्ति का जन आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है । इस अभियान

गो-पालन के लिए योगी सरकार देगी 80 हजार रुपए का अनुदान लाभार्थियों को विकास भवन में बुधवार को वितरित किए जाएगे चयन पत्र

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के साथ—साथ दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए श्मुख्यमंत्री स्वदेशी गो—संर्धन योजनाश की शुरुआत की। इस योजना के तहत वर्ष 2026-27 के लिए 28 लाभार्थियों का चयन किया गया। जिन्हें बुधवार को विकास भवन में आयोजित डेयरी कानक्लेव में चयन पत्र वितरित किया जाएगा।

नंदबाबा दुग्ध मिशन के नोडल अधिकारी मनोज दुबे ने बताया कि मंगलवार को मुख्य विकास अधिाकारी विशाल कुमार की अध्यक्षता में नंद बबा डिस्ट्रिक्ट एग्रीक्यूटिव कमेटी द्वारा ई—लॉटरी के माध्यम से 28 लाभार्थियों (14 महिला, 14 पुरुष) का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि चयनित लाभार्थियों को बुधवार को विकास भवन सभागार में आयोजित डेयरी कॉन्क्लेव में चयन पत्र वितरित किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर पैदा करना सरकार का लक्ष्य

इस योजना के तहत पशुपालकों को उन्नत नस्ल की 02 स्वदेशी गायों की डेयरी इकाई स्थापित करने के लिए 80 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। योजना का मुख्य उद्देश्य उन्नत नस्ल की स्वदेशी गौवंश को बढ़ावा देना जिससे ज्यादा दुग्ध उत्पादन के साथ साथ संकर नस्ल की गायों में फ़ैल रही तरह तरह की बीमारियों जैसे लम्पी रोग आदि से निजात दिलाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर पैदा करना है। बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को दो उन्नत नस्ल की स्वदेशी गायों की इकाई लगानी होती है। इसकी कुल स्थापना लागत का 40 प्रतिशत या अधिकतम 80,000 रुपये तक का अनुदान शासन द्वारा सीधे बैंक खाते में भेजा जाता है। बताया कि सरकार ने इस योजना में महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी है। कुल निर्धारित लक्ष्य का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल महिला दुग्ध उत्पादकों और महिला पशुपालकों के लिए आरक्षित किया गया है। इससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत मदद मिलेगी।

चोरी की घटना से व्यापारियों में आक्रोश

जौनपुर।प्रसिद्ध मां शीतला चौकियां क्षेत्र में बीते कई दिनों से लगातार चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा है बीती रात चौकियाँ क्षेत्र में कार्सेटिक और कॉन्फेशनरी की दो दुकानों पर चोरों ने हजारों के सामान पार कर दिया है अभी दो दिन पूर्व भी इसी क्षेत्र में सेंध काटकर एक व्यापारी के यहाँ चोरी की घटना हो चुकी थी स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर निरीक्षण किया गया किंतु कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई जिससे सभी व्यापारियों में आक्रोश एवं दहशत व्याप्त है व्यापारियों ने कहा कि प्रतिष्ठानों पर चोरी की घटना हो रही है।चोरी की घटना को जल्द से जल्द खुलासा नहीं किया गया और चोरों को शीघ्र नहीं पकड़ा गया तो बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य और मजबूर होंगे ।

राया में राशन के चावल की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई, 46 कट्टे जब्त, 3 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

डीएम के निर्देश पर एआरओ माट, पूर्ति निरीक्षक महावन के नेतृत्व मे हुई बड़ी कार्यवाही -पूर्ति विभाग सरकारी खाद्यान की कालाबजारी पर अंकुश लगाने मे विफल, माफिया कालाबाजारी मे सफल

(मथुराधराया) सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के राशन की कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 46 कट्टे सरकारी चावल से लदी एक बिना नंबर की मैक्स पिकअप को पकड़ लिया। जिसमें 22 कट्टे सरकारी राशन जूट के सील पैक मिले। मामले में तीन लोगों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत थाना राया में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, चौकी अनौड़ा पुलिस ने ग्राम भरऊ के पास चेकिंग के दौरान सदिग्ध पिकअप को रोका। जांच में वाहन में 46 कट्टे सरकारी चावल लदे मिले, जिन्हें इगलास ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने पर डीएम सीपी सिंह ने जिला पूर्ति अधिकारी को जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी के निर्देश पर एआरओ माट नरेन्द्र कुमार और पूर्ति निरीक्षक रविकांत मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।पूछताछ में चालक ने बताया कि चावल महेश अग्रवाल निवासी अबेरनी, भुवनेश अग्रवाल निवासी पचावर के यहाँ से लोड करके इगलास निवासी वंशी प्र

धान सहित सौंख, पचावर, मांट, बाजना और आसपास के क्षेत्रों में सरकारी राशन की कालाबाजारी की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई को राशन माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। अब



किसी सेलेब्रिटी से कम नहीं है प्रमोद गुप्ता, 50 लाख से अधिक हैं फॉलोवर अमेरिका से मिला गोल्ड प्ले बटन, परिवार में जश्न का माहौल

जय प्रकाश मिश्रा जिला संवाददाता जौनपुर।

मशहूर शायर मजरूह सुल्तानपुरी का एक प्रसिद्ध शेर है कि रश्में अकेला ही चला था जानिब—ए—मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवाँ बनता गया।इ यह पक्ति जौनपुर की युवा प्रतिभा प्रमोद गुप्ता पर बिल्कुल सटीक बैठती है। जब



इन्होंने सुजानगंज से एक बड़ा सपना लेकर जौनपुर शहर की ओर रुख किया तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। कुछ साल जौनपुर में रहकर पढ़ाई की और इसके बाद यहीं पर अपने सपने को बुनना शुरू किए। कुछ वर्षों पर कभी देश की राजधानी रहीं शीराज ए हिंद की धरती जौनपुर से वर्तमान में देश की राजधानी दिल्ली की ओर रुख किया। दिल्ली में ही इनके सपने को पंख लगने लगे और दिल्ली की धरती पर इन्होंने अपने यूट्यूब चैनल की शुरुआत की और नाम रखा जौनपुर न्यूज। देखते ही देखते यह चैनल लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाने लगा। इसके बाद प्रमोद गुप्ता ने सारा काम छोड़ दिया और अपने सपने के पीछे दौड़ने लगे। आखिरकार वह उस मुकाम तक पहुंच गए जहां पर लोग आज भी पहुंचने को तरस रहे हैं। एक के बाद एक यूट्यूब से इन्हें प्ले बटन आने लगे। पहले इन्हें सिल्वर बटन

नहीं होता और इसी तर्ज पर प्रमोद कड़ी मेहनत करते हैं, जिसके कारण आज उनके 50 लाख से भी अधिक फॉलोवर हैं। यूट्यूब से गोल्ड प्ले बटन मिलते ही खुशियां दोगुनी हो गईं और उन्होंने खुद को एक और बड़ा टास्क दे दिया कि अब लक्ष्य 1 करोड़ फॉलोवर का है। यूट्यूबर प्रमोद गुप्ता का चैनल देश के टॉप 20 चैनलों में शामिल आपको बता दें कि प्रमोद गुप्ता के यूट्यूब चैनल ने कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। डेटा बीओस हर बार न्यूज चैनलों की रैंकिंग जारी करता है, जिससे यह पता चलता है कि कौन सा चैनल कितने नंबर पर है और कितना ज्यादा उसे देखा जा रहा है। डेटा बीओस के न्यूज को अनुसार जो जे भारत उड़ता को भी टॉप 20 में जगह मिली है। ये न सिर्फ जौनपुर के लिए बल्कि पूर्वांचल के लिए भी गौरव की बात है। विशेष बातचीत के दौरान

पुलिस और पूर्ति विभाग पूरे नेटवर्क की जांच कर रहे हैं ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा सके। **पूर्ति विभाग सरकारी खाद्यान की कालाबजारी पर अंकुश लगाने के वायदे खोखले साबित हो रहे हैं। क्क्यों की जनपद मे सरकारी खाद्यान की शिकायते लगातार प्राप्त होती हैं जिन पर विभाग संबधित ः ाराओ मे अभियोग दर्ज कर अपना पल्ला झाड़ कर इति श्री कर लेता हैं। आखिर ये सरकारी खाद्यान के चावल जूट के कट्टे सील पैक सीधे माफिया के पास कालाबजारी हेतु पहुंच कैसे रहे हैं इस पर विभाग मोन आखिर इस राज को खोले कोन।** जौनपुर शहर के मौला अलीघाट, मुफ्ती मोहल्ला में 20 सफर के अवसर पर आयोजित ऐतिहासिक दरिया वाला जुलूस मंगलवार को पूरी अकीदत, गम और शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। बड़ी संख्या में मोमिनीन ने जुलूस में शिरकत कर हजरत इमाम हुसैन और शोहदाए कर्बला को अश्कों के साथ खिराज—ए—अकीदत पेश किया। जुलूस से पूर्व आयोजित मजलिस का आगाज मरहूम नजर हसन एडवोकेट के हमनवा जनाब सैय्यद मेहदी जैदी की सोजखवानी से हुआ। इसके बाद हुज्जतुल इस्लाम मौलाना महफूजुल हसन खॉं ने मजलिस को खिताब करते हुए कर्बला के पैगाम, सन्न, इंसाफ और शोहदाए कर्बला की अजीम कुर्बानियों पर से रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन का गम केवल शिया समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि हर इंसानियत पसंद, न्यायप्रिय और सत्य का साथ देने वाले व्यक्ति का गम है। उन्होंने कहा कि कर्बला का पैगाम मजहबी सीमाओं से ऊपर उठकर इंसानियत, अमन, भाईचारे, इंसाफ, सन्न और जुल्म के खधिलाफ डटकर खड़े होने की सीख देता है। इमाम हुसैन ने अपने परिवार और साथियों की बेमिसाल कुर्बानी देकर हक और इंसाफ की राह पर डटे रहने का संदेश दिया, जो आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा है। मौलाना जीशान आजमी ने चेहलुम ने कहा कि नजफ से कर्बला तक हुसैनी मोकेब के माध्यम से जायशीन की निस्वार्थ सेवा, मेहमाननवाजी और इंसानियत की मिसाल पूरी दुनिया के सामने पेश होती है। उन्होंने बताया कि भारत से भी बड़ी संख्या में जायरीन अरबईन में शामिल होकर अमन, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम देते हैं, जो भारत की गंगा—जमुनी तहजीब और धार्मिक सौहार्द का प्रतीक है।मजलिस के बाद मातम के बीच मौला अलीघाट, मुफ्ती मोहल्ला से ऐतिहासिक दरिया वाला जुलूस अपने पारंपरिक मार्ग से रवाना हुआ। “या हुसैन” और “ऐ हुसैन” की सदाओं से पूरा इलाका गूंज उठा। महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों और बच्चों ने बड़ी संख्या में जुलूस में शिरकत की। जगह—जगह अकीदतमंदों ने जुलूस का इस्तकबाल किया तथा सबीलों का भी इंतजाम किया गया।

जल निगम का पानी न आने का विरोध प्रदर्शन’ जौनपुर। मड़ियाहूँ तहसील क्षेत्र के रामपुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 13 में जल संकट के चलते मंगलवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। करीब 4 दिनों से जल निगम का पानी न आने से परेशान 20 से 25 घरों के लोगों ने हाथ उठाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। 4 दिनों से पानी न आने के कारण लोग इधर—उधर से मांगकर किसी तरह गुजारा करने को मजबूर हैं। लोगों ने बताया कि नाली जाम होने के कारण घरों के शौचालय का पानी भी बाहर नहीं निकल पा रहा है। इसी गंदगी में गिरकर एक युवक मोहम्मद का हाथ फ्रैक्चर हो गया है। लोगों का कहना है नाली की खुदाई के दौरान जल निगम की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद से पानी की आपूर्ति बाधित है।ग्रामीणों ने नगर पंचायत चेयरमैन विनोद जायसवाल से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पानी और नाली की समस्या का समाधान करने की मांग की है। आलमगीर, टीकू गुप्ता, रवि सोनकर, दिलबहार, काजू गुप्ता, नवसाद, राजन, साजन गुप्ता, तिवारी पान वाले आदि उपस्थित रहे।

अनुशासन से बनता है श्रेष्ठ व्यक्तित्व कुलपति जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विधि संस्थान में तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ, साइबर सुरक्षा और हैप्पीनेस पर हुए विशेष सत्र जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, के दत्तोपंत ठेंगडी विधि संस्थान में बी.ए. एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह एवं अन्य अतिथियों का पोधा भेंट कर स्वागत किया गया। कुलपति ने कहा कि अनुशासन ही विद्यार्थी जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। अनुशासित विद्यार्थी ही अपने ज्ञान, व्यक्तित्व और चरित्र का समुचित विकास कर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करते हुए अध्ययन, शोध, खेलकूद तथा सह—पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विधि शिक्षा केवल कानून का अध्ययन नहीं, बल्कि न्याय, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने की प्रक्रिया है। संस्थान में आयोजित प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन वित्तीय लेन—देन में बरती जाने वाली सावधानियों, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा तथा साइबर अपराध की रिपोर्टिंग की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा स्वयं जागरूक रहें और अपने परिवार को भी साइबर अपराधियों से सुरक्षित रखने में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं। डॉ. वनिता सिंह ने किया। विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. प्रियंका कुमारी, जय सिंह एवं रजनीश सिंह का विशेष सहयोग रहा तथा संचालन डॉ. अनुराग मिश्र ने किया।

जहां पर कंटेंट, वहां पर प्रमोद गुप्ता प्रमोद के कुछ दोस्त बताते हैं कि प्रमोद के अंदर अपने काम के प्रति एक अलग ही जुनून देखने को मिलता है। यह न तो दिन देखते हैं न रात और जहां पर इन्हें कंटेंट दिखाई देता है वहीं पर वह पहुंच जाते हैं। उत्तर प्रदेश हो या बिहार या फिर कोई और प्रदेश प्रमोद कहीं पर भी पहुंचने पर जरा सा भी गुरेज नहीं लगाता। “उदय की इन किरणों को, ये बादल क्या रोकेंगे...” एक गाने की यह पंक्तियां भी प्रमोद गुप्ता पर बिल्कुल सटीक बैठती हैं, इसलिए प्रमोद कहते हैं कि अगर काम करना है तो ठीक से और पूरी ईमानदारी से करना पड़ेगा क्योंकि यह ऐसा क्षेत्र है कि यहां से बाहर होने में ज्यादा समय नहीं लगता। कभी नहीं हारी हिम्मत प्रमोद बताते हैं कि 2024—25 बुरे दौर में गुजरा।साइबर फ्रॉड के शिकार हुए। फेंसबुक पेज और इंस्टाग्राम हैंक हो गया था, जिससे काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन कभी हिम्मत नहीं हारी, लड़ते रहे। तीन फेंसबुक पेज और दो यूट्यूब चैनल मिलाकर लगभग कुल 50 लाख फॉलोवर हैं। आज के समय में बड़े बड़े सेलेब्रिटी के इतने फॉलोवर होता है लेकिन जौनपुर के प्रमोद गुप्ता ने इतिहास रच दिया है। उनके चाहने वाले उन्हें बधाई दे रहे हैं।

कभी नहीं हारी हिम्मत प्रमोद बताते हैं कि 2024—25 बुरे दौर में गुजरा।साइबर फ्रॉड के शिकार हुए। फेंसबुक पेज और इंस्टाग्राम हैंक हो गया था, जिससे काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन कभी हिम्मत नहीं हारी, लड़ते रहे। तीन फेंसबुक पेज और दो यूट्यूब चैनल मिलाकर लगभग कुल 50 लाख फॉलोवर हैं। आज के समय में बड़े बड़े सेलेब्रिटी के इतने फॉलोवर होता है लेकिन जौनपुर के प्रमोद गुप्ता ने इतिहास रच दिया है। उनके चाहने वाले उन्हें बधाई दे रहे हैं।

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को दूल्हे आजाद बिंद की बहन सौम्या बिंद ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। उन्होंने तरसांवा मोड़ पर एक स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की। सौम्या बिंद ने अधिकारियों को बताया कि क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं, जिससे कानून—व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की। तरसांवा मोड़ पर पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है, जहां बिना किसी भूमि विवाद के पुलिस चौकी का निर्माण किया जा सकता है। यह स्थान पुलिस चौकी के लिए अत्यंत उपयुक्त है और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सहायक होगा। वर्तमान में, गांव से संबंधित थाना लगभग 8—9 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। किसी भी आपातकालीन स्थिति में पुलिस को घटनास्थल तक पहुंचने में अधिक समय लगता है, जिससे आम जनता को परेशानी होती है। प्रस्तावित पुलिस चौकी से तरसावा मोड़ ही नहीं, बल्कि आसपास के 10—15 गांवों के हजारों लोगों को सुरक्षा का लाभ मिलेगा। सौम्या बिंद ने अपनी अन्य मांगों में कहा कि उनके भाई की हत्या के मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाए, ताकि उन्हें शीघ्र न्याय मिल सके। उन्होंने जंग एंड उपलब्ध। साध्यों के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) सहित अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई की भी मांग की।

नक्सल-मुक्तभारत एकीकृत रणनीतियों से वामपंथी उग्रवाद पर निर्णायक विजय

भारत ने वामपंथी उग्रवाद से लगभग पूरी तरह मुक्त होने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्ि हासिल की है। अब देश का कोई भी जिला वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित नहीं है। यह परिवर्तन एक बहुआयामी और समन्वित रणनीति का परिणाम है, जिसमें सुरक्षा अभियान, बुनियादी ढांचे का विस्तार, आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों का पुनर्वास, आदिवासी कल्याण और सुशासन को समान

शांति व सुरक्षा के नए युग का शुभारंभ
लगभग छह दशकों तक भारत वामपंथी उग्रवाद की चुनौती से जूझता रहा। यह केवल एक सुरक्षा समस्या नहीं थी, बल्कि लाखों आदिवासी परिवारों और से उन गांवों के लिए रोजमर्रा की कठोर वास्तविकता थी, जो लंबे समय तक सड़कों, स्कूलों व समावेशी विकास के अवसरों से

वंचित रहे। लगातार होने वाली हिंसा ने इन क्षेत्रों में जीवन को अनिश्चितता और भय से घेर रखा था।
31 मार्च 2026 को इस स्थिति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया और भारत की आंतरिक सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुआ। देश ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता प्राप्त की। मई 2014 में केंद्र सरकार के सत्ता में आने के समय रेड कॉरिडोर देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने मौजूद सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक था। पहले अपनाए गए उपाय काफी हद तक बिखरे हुए और घटनाओं पर आधारित थे। इनमें अक्सर समस्या की मूल वजहों को दूर करने के बजाय उसके तत्काल प्रभावों से निपटने पर अधिक जोर दिया जाता था। इसके बाद वामपंथी उग्रवाद की चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा, विकास, बुनियादी

सम्पादकीय

डोपिंग का घुन

वाडा और एआईयू जैसी संस्थाओं की रिपोर्टें से भारत में इस समस्या के लगातार गहराने की पुष्टि हुई है, लेकिन खेल संस्थाओं या सरकार ने इस दिशा में कोई सख्त एवं प्रभावी पहल नहीं की है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स के पहले ही दिन जुडो खिलाड़ी अरुण कुमार को डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के कारण इस आयोजन से बाहर कर दिया गया। इसके पहले कई अन्य भारतीय खिलाड़ियों को भी इसी टेस्ट में फेल होने के कारण इन खेलों में भाग लेने से रोक दिया गया था। खेलों की दुनिया में भारत के लिए यह नई शर्मनाक स्थिति है। हालिया वर्षों से विश्व एंटी–डोपिंग एजेंसी–वाडा–की रिपोर्ट में भारत दुनिया में डोपिंग उल्लंघन करने वाले देशों की सूची में लगातार शीर्ष पर बना हुआ है। एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, और कुश्ती में इसके सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। दरअसल, कई एथलीटों के डोप टेस्ट में फिफल होने के कारण ग्लासगो गेम्स में भारत के वेटलिफ्टिंग कोटा में कटौती कर दी गई। हाल में डोपिंग के मामले क्रिकेट, फुटबॉल और बैक्सिंग जैसे खेलों में भी सामने आए हैं। नतीजतन, एथलेटिक्स इंटीग्रेटी यूनिट (एआईयू) ने भारत को उच्च–जोखिम वाली श्रेणी में डाल दिया है। एआईयू के इस निर्णय से खेल जगत में भारत की साख कमजोर हुई है। इसका नतीजा यह होगा कि अब अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय एथलीटों को अधिक सख्त और अतिरिक्त परीक्षणों से गुजरना होगा। बड़े खेल आयोजनों से पहले भारतीय खिलाड़ी डोप टेस्ट में फेल होते रहे, तो अंतरराष्ट्रीय खेल संघ भारत के कोटा (प्रतिनिधित्व के लिए खिलाड़ियों की संख्या) में कटौती कर सकते हैं। यह आशंका भी है कि अन्य देश और प्रायोजक भारतीय एथलीटों की उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने लगे। मगर इन अंदेशों से भारतीय खेल प्रशासक बेपरवाह नजर आते हैं। वाडा और एआईयू जैसी संस्थाओं की रिपोर्टें से देश में इस समस्या के लगातार गहराने की पुष्टि होती रही है, लेकिन खेल संस्थाओं या भारत सरकार ने इस दिशा में कोई सख्त एवं प्रभावी पहल नहीं की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस समय भारत सरकार ने ओलिंपिक में अधिक मेडल जीतने की कथित योजनाओं और 2036 ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने जैसी महत्वाकांक्षी बातों में देशवासियों को उलझाए रखा है, उसी समय खेल की जड़ों को डोपिंग का घुन कुतरता जा रहा है।

इतिहास में कौन प्रधानमन्त्री ऐसे बदनाम हुआ?

स्वतंत्र भारत के इतिहास में कौन प्रधानमंत्री ऐसे बदनाम हुआ? इतना खलनायक हुआ? कौन गालियों का ऐसा पात्र बना? और क्यों? इसका जवाब एक प्रौढ़ महिला ने सोमवार, 20 जुलाई 2026 को जंतर–मंतर पर दिया। मैंने उसे सोशल मीडिया पर सुना। उसने कहा, श्भारत ने बुरी सरकारें देखी हैं लेकिन ऐसी दुष्ट, क्रूर, नीच सरकार कभी नहीं!। प्रौढ़ महिला हिंदू थी, पढ़ी–लिखी थी। और यह वाक्य सचमुच स्वतंत्र भारत के 14 प्रधानमंत्रियों के इतिहास में नरेंद्र मोदी के शासन की वह सच्चाई है, जो इतिहास में अमिट रहेगी। इस वाक्य को सुन मुझे भी अपने प्रत्यक्ष अनुभवों के 12 प्रधानमंत्रियों के चेहरे काल हो आए। आप भी याद करें, पिछले 12 सालों में केवल ानमन्त्री मोदी के झूठों को, लोगों को बेवकूफ बनाने वाले जुमलों को, समाज को बांटने या दुनिया में भारत को शर्कॉकरोच्य बनाने वाली मूर्खताओं पर। और फिर बाकि प्रधानमंत्रियों पर।क्या ऐसा डा. मनमोहन सिंह, वाजपेयी से लेकर इंदिरा गांधी, नेहरू का कोई रिकॉर्ड है? मैंने 12 प्रधानमंत्रियों को पत्रकार के रूप में देखते, सुनते, समझते इनके हर समय के नैरेटिव का अनुभव लिया है। 1977 में दिल्ली के जंतर–मंतर के ही एक छोर पर कस्टूरबा गांधी मार्ग में हिंदुस्तान टाइम्स की बिल्डिंग के बाहर खड़े हो कर मैंने इंदिरा गांधी के रायबरेली से हारने और राजनारायण के जीतने की खबर सुनी थी। जनता ने जोश भरे हुंकारे में अपनी जीत का तब जश्न मनाया था। बावजूद इसके इंदिरा गांधी को वैसी गालियां मिलती नहीं सुनीं जो इस सोमवार से जंतर–मंतर पर नौजवानों के उस सैलाब में सुनने को मिलीं है जो 35 वर्ष से नीचे की 60–65 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधि है! फिर भले लड़कें हों या लड़कियां या महिलाएँ।सन 2011–12 में जंतर–मंतर पर ही मनमोहन सिंह सरकार को खिलाफ नौजवानों के नारे थे, पर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोई झूठा, दलाल या देश बेचने वाला रंडवा, भगोड़ा आदि (वे शब्द, जिन्हें सुनना, बोलना, लिखना मेरे लिए असंभव है) नहीं कह रहा था। मैं सोशल मीडिया नहीं देखता हूं। पर कहते हैं भारत के घरों में सोशल मीडिया से मोदी को दी जा रही गालियों पर मजा लिया जा रहा है। जो नौजवान 2014 में मोदी को वोट देने के लिए मरा जा रहा था, जो मोदी को भगवान और विश्वगुरु करार दे रहा था, वही आज मोदी को ऐसे–ऐसे संबोधनों से चिन्हित कर रहा है, जो संभवतया दुनिया के किसी प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति को शायद ही कभी मिले हों।हां, वैश्विक पैमाने पर भी सोचें। दुनिया में उन नेताओं को बहुत गालियां मिली हैं, जिन्होंने नरसंहार, तानाशाही का पशुपन दिखाया।

ढांचे, सुशासन और जनकल्याण को एक साथ जोड़ने वाली व्यापक एवं एकीकृत रणनीति अपनाई गई। इसी समन्वित दृष्टिकोण ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी बदलाव की नींव रखी। पिछले बारह वर्षों में यह बदलाव तीन परस्पर जुड़े और एक–दूसरे को मजबूत करने वाले प्रयासों के माध्यम से आया। लोगों का विश्वास और भरोसा बहाल करने के लिए सुरक्षा अभियानों को सुदृढ़ किया गया, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया, आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास के लिए व्यवस्थित तंत्र विकसित किए गए तथा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों तक लगातार पहुंच बनाई गई।

बुनियादी ढांचे के विस्तार के तहत भौतिक व डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत किया गया, दूर–दराज के क्षेत्रों तक प्रशासन की पहुंच बढ़ाई गई और दीर्घकालिक आर्थिक अवसरों का सृजन किया गया। वहीं, कल्याणकारी गतिविधि यों में सम्मान, समावेशी सेवाओं की पहुंच, सांस्कृतिक समावेशन और प्रभावित समुदायों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इनमें से प्रत्येक प्रयास ने दूसरे प्रयासों को और मजबूत किया। सुरक्षा ने विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया, विकास ने लोगों का विश्वास गहरा किया और विश्वास ने कल्याणकारी पहलों को गति प्रदान की। यह कोई क्रमिक प्रक्रिया नहीं थी, जिसमें एक कदम के बाद दूसरा कदम उठाया गया होय बल्कि यह शांति, विकास एवं विश्वास को लगातार मजबूत करने वाली एक सशक्त और अविच्छिन्न कड़ी थी।

सरकार पर भरोसा बहाल करना इस प्रयास का उद्देश्य संवेदनशील और दूर–दराज के क्षेत्रों में सरकार की निरंतर उपस्थिति के माध्यम से लोगों का विश्वास और भरोसा बहाल करना था। प्रभावी व समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों तथा सरकारी संस्थाओं के बीच तालमेल को और मजबूत किया गया। इस समग्र दृष्टिकोण ने स्थानीय समुदायों और सरकारी तंत्र के बीच लंबे समय से बनी दूरी को कम करने तथा आपसी विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2014 से पहले हिंसा का चरम दौर

वामपंथी उग्रवाद की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी विद्रोह से हुई। यह आंदोलन माओवादी विचारधारा और सशस्त्र क्रांति के सिद्धांत से प्रेरित था। इसका मूल विचार हिंसक क्रांति के माध्यम से सत्ता हासिल करना था। समय के साथ वामपंथी उग्रवाद का विस्तार कई क्षेत्रों में हुआ। उग्रवादी संगठनों ने हथियारों और संसाधनों के लिए सरकारी प्रतिष्ठानों तथा पुलिस शस्त्रागारों को भी निशाना बनाया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नक्सलियों के लगभग 92 प्रतिशत हथियार पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए थे। वर्ष 2004 में कई उग्रवादी संगठनों के भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) में विलय के बाद यह संगठन और अधिक संगठित एवं प्रभावशाली हुआ। इसके परिणामस्वरूप वामपंथी उग्रवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया।

साल 2004 से 2014 का दशक वामपंथी उग्रवाद के इतिहास में सबसे हिंसक दशकों में से एक था। हिंसा 2010 में अपने चरम पर थी, जब एक ही साल में 1,936 घटनाएं हुईं और 720 नागरिकों की मौत हुई। पूरे दशक में हिंसा की 17,542 घटनाएं हुईं, जिनमें सुरक्षा बलों के 1,913 जवान और 5,019 नागरिक मारे गए। कोई एक जैसी राष्ट्रीय नीति नहीं थी। राज्य सरकारें अलग–अलग काम करती थीं। फिर भी, 2009 में सरकार ने सार्वजनिक रूप से माना कि नक्सलवाद भारत के सामने सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती है, जिसका दायारा कश्मीर और पूर्वांचल से भी कहीं ज्यादा बड़ा था।

नीति में बदलावरु बिखरी प्रतिक्रिया से एकीकृत रणनीति की ओर वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना को मंजूरी मिलने के साथ वर्ष 2015 में एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके तहत पहले

व आवाजाही को सुगम बनाने के लिए 68 रात्रि–अवतरण हेलीपैड भी विकसित किए गए हैं। इनसे सैनिकों की आवाजाही, घायलों को सुरक्षित निकालने और निगरानी अभियानों में महत्वपूर्ण सहायता मिली है। सुरक्षा बलों की सुरक्षा और परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए 400 बुलेटप्रूफ एवं विस्फोटरोधी वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, जवानों के कल्याण और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए 5 अस्पताल भी स्थापित किए गए हैं। इन उपायों ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा तंत्र को अधिक मजबूत, सक्षम और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विशेष बलों का एकीकरणरु कोबरा, डीआरजी, एसटीएफ और ग्रेहाउंड्स

एक बहुस्तरीय और समन्वित सुरक्षा तंत्र विकसित किया गया, जिसमें कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) तथा राज्यों की विशेषीकृत इकाइयों, जैसे झारखंड जगुआर, छत्तीसगढ़ पुलिस की विशेष इकाइयों और आंध्र प्रदेश के विशेष बलों, विशेष खुफिया शाखाओं और जिला पुलिस ढांचे को मजबूत करने तथा सुदृढ़ पुलिस थानों के निर्माण के लिए 1,761 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूर की गई हैं। वर्ष 2014दु15 से अब तक सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत 3,805.04 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य सुरक्षा बलों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करना, उनकी क्षमताओं व प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत करना, आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादी कैडरों के पुनर्वास में सहायता करना तथा शहीद सुरक्षा कर्मियों और हिंसा में मारे गए नागरिकों के परिवारों को मुआवजा प्रदान करना है।

पहली बार, भारत ने वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए बातचीत, सुरक्षा और समन्वय पर आधारित एक व्यवस्थित और व्यापक दृष्टिकोण अपनाया। गृह मंत्रालय के तहत अधिक केंद्रीकृत एवं समन्वित ढांचे के माध्यम से सरकारी प्रयासों को आगे बढ़ाया गया, जिससे नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और प्रभावित क्षेत्रों में कार्रवाई की गति को मजबूत किया जा सका। भारत को नक्सलवाद के भय और हिंसा से मुक्त करने का लक्ष्य केंद्रित योजना, प्रभावी रणनीति और मजबूत आपसी समन्वय के माध्यम से हासिल किया गया। 24 अगस्त 2024 को भारत सरकार ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। सुरक्षा अभियानों में तेजी लाने, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने, बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए किए गए समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप यह लक्ष्य नि्धारित समय–सीमा के भीतर हासिल कर लिया गया। यह उपलब्धि सुरक्षा और विकास को साथ लेकर चलने वाली एकीकृत रणनीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना सरकार ने बुनियादी ढांचे के विस्तार, विशेष बलों और बेहतर ऑपरेशनल तालमेल के जरिए नक्सल–प्रभावित इलाकों में सुरक्षा की कमी को व्यवस्थित रूप से दूर किया। इस एकीकृत दृष्टिकोण ने रेड कॉरिडोर में राज्य की मौजूदगी, आवाजाही, खुफिया जानकारी साझा करने और उग्रवाद–विरोधी क्षमताओं को बढ़ाया।

वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 66 सुदृढ़ पुलिस थाने थे, जबकि अब ऐसे 663 पुलिस थाने स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, पिछले सात वर्षों में सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने, क्षेत्रों पर बेहतर नियंत्रण स्थापित करने और दूर–दराज के वन क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाने के लिए 408 नए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा शिविर बनाए गए हैं। दुर्गम क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तेजी से तैनाती

कोल्हान और लातेहार क्षेत्रों के 16 सक्रिय माओवादियों ने रांची में आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में एक क्षेत्रीय कमांडर, तीन जोनल कमांडर, तीन उप–जोनल कमांडर, छह एरिया कमांडर और 11 कैंडर स्तर के सदस्य शामिल थे। उन्होंने 11 अत्याधुनिक हथियारों, 38 मैगजीन और 1,562 राउंड गोला–बारूद के साथ आत्मसमर्पण किया। यह घटनाक्रम दशांता है कि सुरक्षा अभियानों, आत्मसमर्पण नीति और पुनर्वास के समन्वित प्रयास नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा को कम करने के साथ–साथ उग्रवादियों को मुख्य गारा में लौटने के लिए प्रोत्साहित करने में प्रभावी साबित हो रहे हैं। इसके अलावा, 29 जुलाई 2026 को कुल 49 लाख रुपये के इनामी आठ और माओवादियों ने बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया, जो वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण सफलता रही। इसी दिन, सुरक्षा बलों ने ६ नबालुआ–गिरिडीह सीमा क्षेत्र से तोड़ने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के भीतर एक विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया गया।

नक्सली वित्तपोषण के नेटवर्क को तोड़ने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के भीतर एक विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया गया। दिसंबर 2025 तक एनआईए ने 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां जब्त की थीं। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लगभग 12 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कीं, जबकि राज्य एजेंसियों ने अतिरिक्त 40 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कीं। दिसंबर 2025 तक वामपंथी उग्रवाद से जुड़े 111 मामलों की जांच की गई और 98 मामलों में आरोप–पत्र दाखिल किए गए। जून 2026 तक एनआईए के मामलों की कुल संख्या बढ़कर 112 हो गई और 100 मामलों में आरोप–पत्र दाखिल किए जा चुके थे। इन कार्रवाइयों ने नक्सली वित्तीय नेटवर्क और सहायता तंत्र पर प्रभावी दबाव बनाया तथा उग्रवादी गतिविधियों के लिए उपलब्ध संसाधनों को सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।आत्मसमर्पण के लिए सम्मानजनक पुनर्वास का मार्गसरकार ने कड़ी सुरक्षा और मुख्यधारा में वापसी पर भी विशेष ध्यान दिया है। इसका स्पष्ट संदेश हैकृजो लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर शान्तिवार डालते हैं, उनका सम्मान के साथ स्वागत किया जाएगा और उन्हें नई शुरुआत का अवसर दिया जाएगा। आत्मसमर्पण करने वाले वरिष्ठ रूपये के कैडरों को तत्काल 5 लाख रुपये और अन्य कैडरों को 2.5 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाती है। इसके अतिरिक्त, उन्हें 36 महीनों तक हर महीने 10,000 रुपये का वजीफा भी प्रदान किया जाता है। आत्मसमर्पण करने पर 50,000 रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यदि पूरा समूह सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण करता है, तो यह राशि दोगुनी हो जाती है। इसके अलावा, हथियारों और गोला–बारूद जमा करने पर अलग से निर्धारित मुआवजा भी दिया जाता है। इन प्रोत्साहनों का उद्देश्य हिंसा छोड़ने वाले लोगों को सुरक्षित और सम्मानजनक पुनर्वास का अवसर प्रदान करना तथा उन्हें शांति, विकास और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

पुनर्वास नीति के प्रभाव से आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। अकेले 2025 में 2,337 नक्सलियों ने हथियार डाले, जबकि 2024 से मार्च 2026 के बीच कुल 3,927 कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। इन प्रयासों को नागरिक समाज के सदस्यों, पत्रकारों, सामुदायिक नेताओं और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से और मजबूती मिली। उन्होंने पुनर्वास उपायों के प्रति विश्वास पैदा करने, आत्मसमर्पण करने वालों को सुरक्षित भविष्य का भरोसा देने और प्रभावित लोगों को हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हाल की घटनाओं ने लगातार सुरक्षा अभियानों और पुनर्वास के समन्वित दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को एक बार फिर साबित किया है। 28 जुलाई 2026 को नई दिशाI, नई पहल नक्सल–विरोधी अभियान के तहत

आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। सिंह राशि–आज का दिन व्यस्त रहने वाला है। आप अपनी योजनाओं को गोपनीय तरीके से लागू करें आज थोड़ी सी जागरुकता रखने से आपकी योजनाएं और काम सफल हो जाएंगे। कन्या राशि–आज आप का दिन रोज से अच्छा रहेगा। आज पारिवारिक माहौल सुखद और अच्छा रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएं। तुला राशि–आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आप अपने कामकाजी जीवन से थोड़ा ब्रेक लेकर जीवन साथी के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएं। वृश्चिक राशि–आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। काम करने के तरीकों में नया बदलाव करेंगे तथा व्यवस्थित रहेंगे धनु राशि–आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज दोस्तों और संबंधियों से पूरी मदद मिलेगी।

मकर राशि–आज दिन की शुरुआत बढ़िया होगी। इससे परिवार में सामंजस्य बना रहेगा।

कुंभ राशि–आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे।

मीन राशि–आज का दिन आपके सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज बच्चों का परिणाम देखकर मन में तसल्ली रहेगी। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित करेंगे।

आदिवासी समुदायों तक भी पहुंचें, ताकि उनके बच्चों के लिए बेहतर और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण हो सके। इस दिशा में दूरस्थ क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और प्रशासनिक पहुंच को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आवश्यक सेवाओं, सड़कों और डिजिटल नेटवर्क तक लोगों की पहुंच बेहतर हुई। इन प्रयासों ने उन क्षेत्रों को, जो लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहे थे, मुख्य गारा के विकास, बेहतर प्रशासन व आवश्यक सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रकार, सुरक्षा के साथ–साथ बुनियादी सुविधाओं और अवसरों का विस्तार भी नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी बदलाव का आधार बना।

सड़क कनेक्टिविटीरु वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए दो प्रमुख योजनाओंक़रोड रिक्वायरमेंट प्लान (आरआरपी) और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क कनेक्टिविटी प ि र य ा े ज न ा (आरसीपीएलडब्ल्यूईए)क़के तहत अब तक कुल 15,189 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। डिजिटल और् मोबाइल कनेक्टिविटीरु आधुनिक समाज में दूरसंचार कनेक्टिविटी विकास और प्रगति की एक महत्वपूर्ण आधारशिला बन गई है। ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के लिए इसका महत्व और भी अधिक है, क्योंकि यह सामाजिक–आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, डिजिटल विभाजन को कम करने, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने तथा आर्थिक अवसरों का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी उद्देश्य से 9,497 मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं। वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में अब 96 प्रतिशत गांवों (46,592 से 44,728 गांवों) तक मोबाइल कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है। बेहतर मोबाइल नेटवर्क ने इन क्षेत्रों में शिक्षा, ऑनलाइन सरकारी सेवाओं और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर खोले हैं। इससे दूर–दराज के समुदायों को देश के लिए मजबूत आधार तैयार किया।एक नए भविष्य की नींवरु बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी नक्सलवाद को समाप्त करने का संकल्प केवल उग्रवादियों को हटाने तक सीमित नहीं था। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी था कि बड़े शहरों में उपलब्ध सुविधाएं दूर–दराज के गरीब और

भाजपा के जनविरोधी कृत्यों को उजागर करें कांग्रेस कार्यकता चेत नारायण

-कांग्रेस की बैठक में बूय व ग्राम पंचायत कमेटियों के पुनर्गठन पर हुई चर्चा

अयोध्या। जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक कमला नेहरू भवन में जिला अध्यक्ष चेत नारायण सिंह की अध्यक्षता व पूर्व जिला अध्यक्ष राम दास वर्मा की संचालन में सम्पन्न हुई इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चेत नारायण सिंह ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने जिस प्रकार हजारों छात्रों के दर्द को समझकर पेपर लीक का मुद्दा उठाकर देश के शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया वह उनके संघर्षशीलता को और निखार दिया उन्होंने कहा कि उसी तेवर से सभी कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा के जन विरोधी कृत्यों को जनता के बीच उजागर करने का काम करें श्री सिंह ने कहा आगामी विधानसभा व पंचायत चुनाव को देखते हुए बूथ और ग्राम पंचायत की कमेटियों का पुनर्गठन का काम तेज करना होगा जिसके लिए सभी पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को समझें। उन्होंने 12 अगस्त को तारून ब्लॉक के हैदरगंज बाजार में होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी तेज की अपील स्थानीय नेताओं से

सपा के आरोपों पर भाजपा नेताओं ने किया पलटवार

अयोध्या। संसद परिसर में कांग्रेस सांसद पप्पू यादव द्वारा भगवा वस्त्र पहनकर किए गए प्रदर्शन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब अयोध्या में राजनीतिक टकराव का रूप ले चुका है। समाजवादी पार्टी द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों के बाद भाजपा नेताओं ने पलटवार करते हुए कहा कि सनातन के अपमान पर शामिल सपा अब राजनीति कर रही है। समाजवादी पार्टी के नेताओं द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग और सांसद अवधेश प्रसाद के पोस्टर पर जूते-चप्पल चलाए जाने को दलित समाज से जोड़ने के आरोपों पर भाजपा नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सनातन आस्था का अपमान करने वालों के पक्ष में खड़ी समाजवादी पार्टी अब राजनीतिक लाभ के लिए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि

दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति ने की बैठक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में आगामी 31वें दीक्षांत समारोह की भव्य एवं सुचारु तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ बिजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में एक आवश्यक समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में दीक्षांत समारोह से जुड़ी सभी समितियों के संयोजकों ने भाग लिया और अब तक की प्रगति का अपडेट कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान कुलपति ने दीक्षांत समारोह से जुड़े कई प्रमुख विषयों की गहन समीक्षा की और संबंधित संयोजकों को आवश्यक निर्देश दिए। वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन, रमई-बेटी सम्मेलनश् के आयोजन की अद्यतन स्थिति, तथा दीक्षांत मंच और कार्यक्रम

पति-पत्नी के विवाद में सलमान गैंग के शूटरों ने किया युवक का अपहरण, अधमरा करके छोड़ा

मेरठ। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र में दंपति के विवाद में सोमवार की रात कुख्यात सलमान गैंग के शूटरों ने विवाहिता के जेट का अपहरण कर लिया। आरोप है कि बदमाशों ने युवक को बंधक बनाकर उसकी जमकर पिटाई की। इसके बाद अधमरी हालत में उसे छोड़कर फरार हो गए। पीड़ित ने दो को नामजद करते हुए कई अज्ञात के खिलाफ घटना की तहरीर दी है।लिसाड़ी गेट गली नंबर एक के रहने वाले नफीस ने बताया कि उसके भाई फरमान का अपनी पत्नी सना के साथ विवाद चल रहा है। नफीस का आरोप है कि सना के रिश्तेदार मेहराज उर्फ कालिया और साहिबे आलम कुख्यात सलमान गैंग के शूटर हैं। सोमवार की रात सना के कहने पर मेहराज और साहिब ने नफीस को बातचीत के लिए बुलाया था। आरोप है कि लक्खीपुरा गली नंबर 21 में कालिया और साहिब ने अपने साथियों के साथ मिलकर नफीस को बंधक बना लिया। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई की। बेहोश होने के बाद आरोपी नफीस को अधमरी हालत में छोड़कर फरार हो गए। देर रात परिजनों द्वारा घायल नफीस को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित ने मेहराज उर्फ कालिया और साहिबे आलम सहित तीन अज्ञात के खिलाफ लिसाड़ी गेट थाने में घटना की तहरीर दी है।

फर्जी प्रमाण पत्र से नौकरी कर रहे मेडा के मेट की सेवा समाप्त, वीसी ने किया बर्खास्त

मेरठ। मेरठ विकास प्राधिकरण में पिछले कई सालों से फर्जी प्रमाण पत्रों के सहारे नौकरी कर रहे एक अनुचर को प्राधिकरण के वीसी ने बर्खास्त करते हुए उसकी सेवाएं समाप्त कर दी हैं। मेट के खिलाफ का जा रही विभागीय जांच में उसे दोषी जाए

पाए जाने पर यह कार्यवाही की गई है।

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने बताया कि ऋषिपाल पिछले काफी समय से मेरठ विकास प्राधिकरण में मेट के पद पर कार्यरत था। शिकायत मिली थी कि नौकरी हासिल करने के लिए ऋषिपाल द्वारा फर्जी प्रमाण पत्रों का सहारा लिया गया है। इस मामले में जांच कराए जाने पर ऋषिपाल के खिलाफ लगाए गए आरोप सही पाए गए। जिसके चलते प्राधिकरण से ऋषिपाल की सेवाएं समाप्त करते हुए उसे बर्खास्त कर दिया गया है। उधर, मेट ऋषिपाल की बर्खास्तगी के बाद एमडीए के कर्मचारियों में हड़कंप मचा है।

किया। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रताप सिंह ने कांग्रेस जनो से अपील किया कि सनातन धर्म के नाम पर देश को गुमराह करने वाली भाजपा आरएसएस को बेनकाब करें क्योंकि इन लोगों ने हमारे आराध्य हनुमान जी को अपनी रैली के भाजपा का पताका पक ढाकर उन्हें नचाया जिससे बड़ा सनातन का अपमान कुछ नहीं हो सकता पी सी सी सदस्य राम अवध पासी अशोक कुमार सिंह और जिला उपाध्यक्ष राज कुमार पांडेय व प्रदीप निषाद ने संगठन की मजबूती के लिए संवाद व सम्पर्क कर बल देते हुए सक्रियता बढ़ाने का आवाहन किया। जिला महामंत्री मोहम्मद इरफानखा मनोज जायसवाल महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय रमेश फौजी ने आम जनता भाजपा

सरकार की मंहगाई बेरोजगारी बढ़ते अपराध से ऊब चुकी हैं और कांग्रेस को विकल्प मान रही है उक्त जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने बताया की इस अवसर पर रूदौली के मोहम्मद आसफ खान अपने साथियों के साथ कांग्रेस की सदस्यता जिला अध्यक्ष चेत नारायण सिंह से ग्रहण की इस अवसर पर पी सी सी सदस्य उग्रसेन मिश्रा पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीनिवास तिवारी जिला उपाध्यक्ष उमेश उपाध्याय अनिल सिंह दया शंकर तिवारी महामंत्री अश्वनी सिंह सचिव पंकज सिंह सुरेश राणा एडवोकेट आशुतोष त्रिपाठी, अशोक कनौजिया ब्लॉक अध्यक्ष राम शंकर तिवारी राजेंद्र पासी ब्रजेश वर्मा धर्मेद सिंह सकील रहमानी तारिक रूदौलीवि युवक कांग्रेस के रामेंद्र त्रिपाठी पिछड़ा वर्ग के राम चरित्र वर्मा पलावर नकवी नाजिश फातिमा सौरभ सिंह आदि शामिल रहें।

कहा कि सपा के आरोप पूरी तरह निराधार और राजनीतिक प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि दलित समाज का नाम लेकर भावनाएं भड़काने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि भाजपा सभी वर्गों के सम्मान और विकास के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। भाजपा महानगर महामंत्री शैलेन्द्र कोरी ने कहा कि विरोध को जातिगत रंग देना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह विरोध किसी व्यक्ति या समाज के खिलाफ नहीं, बल्कि सनातन परंपराओं के अपमान के विरोध में था। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए समाज को बांटने की कोशिश कर रही है, लेकिन जनता ऐसे प्रयासों को समझ चुकी है।

समितियों के संयोजक अपने-अपने प्रसार वाले कार्यों को पूरी निष्ठा और समयबद्धता के साथ अंतिम रूप दें, ताकि आयोजन को अनुकरणीय बनाया जा सके।कुलपति ने सभी संयोजकों को निर्देश दिए कि शेष बचे कार्यों को शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूरेंद्रु शुक्ल, प्रो. एस एस मिश्र, प्रो शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. अनुप कुमार, प्रो. सी के मिश्र, प्रो फरूख जमाल, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो एस के रायजादा, प्रो तुहिना वर्मा, प्रो पी के द्विवेदी, प्रो गंगा राम मिश्र, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. महिमा चौरसिया, उपकुलसचिव ए के गौतम, डॉ. राजेश कुमार सिंह आदि उपस्थित

घर जा रहे बिजली भिस्त्री को पीटा, केस दर्ज

गोसाईगंज-अयोध्या। गोसाईगंज कोतवाली इलाके में घर जा रहे बिजली भिस्त्री को कुछ लोगों ने पीट डाला।मामले में पीडित बिजली भिस्त्री ने कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत दर्ज कराई है।दिए गए तहरीर के मुताबिक रेवरी गांव निवासी उग्रसेन सिंह पुत्र स्‍व०लालता प्रसाद सिंह का कहना है कि वह बिजली भिस्त्री का काम करता है।बीती देर शाम वह रेवरी गोदमवा से बिजली बनाकर रिक्षा से घर वापस जा रहा था।आरोप है कि जब वह बनरहिया बगिया रेवरी के पास पहुंचा तो तीन चार लोग उसे हाथ देकर रोका।जब वह रुका तो उसे अपशब्द कहने लगे और विरोध करने पर बुरी तरह से पीटते हुए उसका रिक्षा तोड़ डाले।एसएचओ अभिमन्यु शुक्ला के मुताबिक पीडित की तहरीर पर केस दर्जकर पड़ताल की जा रही है।

अवैध कमाई के लिए गैर पंजीकृत चिकित्सालय चलवा रहे सीएमओ सूर्यकांत

अयोध्या। शहीद शोध संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पाण्डेय ने आरोप लगाया कि जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अवैध कमाई के लिए गैर पंजीकृत चिकित्सालय चलवा रहे हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा जांच के आदेश को जानबूझकर लटका कर मामले में लीपापोती करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ने परिक्रमा मार्ग स्थित श्री राम नेत्रालय के नेत्र चिकित्सक डा संजीव थापर के खिलाफ गलत आपरेशन के मामले में जांच का आदेश दिया था। इस मामले में उन्होंने मेरे नेत्र का गलत आपरेशन किया था। जिसके कारण आंख में रोशनी नहीं आई तथा आंख के दाहिने कोने में कुछ अटका सा लगता कैं श्री पाण्डेय ने आरोप लगाया कि इस संबंध में दो चिकित्सको की जांच बैठाई गई।इसकी जांच भी हुई परन्तु जिला चिकित्सा अधिकारी रिपोर्ट देने में आनाकानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह में उक्त चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो मजबूरन सीएम ओ के कार्यालय पर धरना दिया जाएगा।

कुंवर घनश्याम सिंह व प्रशांत किशोर की जीत पर कांग्रेसियों ने जताई खुशी

अयोध्या। कांग्रेस जनों ने मध्य प्रदेश की दतिया में कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह की जीत व बाका बिहार में कांग्रेस समर्थित प्रशांत किशोर की जीत पर खुशियों का इजहार करते हुए कांग्रेस कार्यालय पर मिठाइयां खिलाईं रिसोर्स पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष चेलनारायण सिंह ने कहा भाजपा साथी राज्य में भाजपा शासित राज्य में पूरी सरकार धनबल वह जंगल लगाने के बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह की जीत ने सनातन विरोध के नाम पर देश को गुमराह करने वालों भाजपा व उनकेसमर्थकों पर कराार तमाचा है साथ ही या साबित हो गया भारतीय जनता पार्टी की करतूतो से देश की जनता उब चुकी है पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्णा गौतम ने कहा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की 25 वर्ष की सीट पर कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार प्रशांत किशोर के जीत ने भाजपा द्वारा हनुमान जी के हाथ में झंडा पकड़ कर नाचना का बदला हनुमानजी ने अपनी गदा चला कर ली और सनातन धर्म का आलाप करने वालों को को भी आईना दिखाया पूर्व विधायक माधव प्रसाद पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पांडे कहां भाजपा शासित राज्यों में भाजपा का सफाया यह साबित करता है कि आने वाला दिन कांग्रेस का है इस अवसर पर महानगर उपाध्यक्ष अशोक कनौजिया विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी युवक कांग्रेस के रामेंद्र त्रिपाठी कवीन्द्र साहनी आदि प्रमुख रूप से रहे।

अवध विवि 31वें दीक्षोत्सव पर खेल प्रतियोगिताओं का हुआ शुभारम्भ

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का शुभ्य उद्घाटन आज न्यू आई.ई.टी. परिसर स्थित तुलसी भवन स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का भूभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह के कुशल निर्देशन एवं गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। खेल आयोजन समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि यह विद्यार्थियों और पूरे विश्वविद्यालय परिवार के सर्वांगीण विकास का उत्सव है। खेल हमारे जीवन में अनुशासन, एकाग्रता, मानसिक दृढ़ता और सामूहिक सहभागिता की भावना का संचार करते हैं। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि 31वें दीक्षोत्सव के अवसर पर हमारे शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं एक साथ मैदान में प्रतिस्पर्धा और भ्रातृत्व की भावना के साथ उत्तरे हैं। कुलपति ब्रिगेड और कुलसचिव ब्रिगेड के बीच की प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय परिवार के आपसी सौहार्द और ऊर्जा को दर्शाती हैं। छात्र एवं छात्रा वर्ग में टेबल टेनिस, शूटिंग, बैडमिंटन, रस्सा-कसी, म्यूजिकल चेयर की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी क्रम में कुलपति ब्रिगेड बनाम कुलसचिव ब्रिगेड के मध्य टेबल टेनिस रस्सा-कसी शूटिंग म्यूजिकल चेयर के खेल का आयोजन किया गया। सभी अधिकारी,शिक्षक एवं कर्मचारी गणों के साथ छात्र एवं छात्राओं की इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं आवासीय परिसर की विभिन्न विभागों की टीम प्रतिभाग किया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो फरुख जमाल, प्रो शैलेन्द्र कुमार वर्मा,प्रो आशीष प्रताप सिंह, डॉ कपिल कुमार राणा,डॉ त्रिलोकी यादव, आयोजन समिति के सदस्यधर्मीड़ा परिषद के सदस्यध्शारीरिक शिक्षक विभाग शिक्षकधर्मीड़ा विभाग आवासीय परिसर की सक्रिय भूमिका रही

बहसूमा स्थित सिद्ध पीठ फिरोजपुर महादेव मंदिर का डीएम- एसएसपी ने लिया जायजा

मेरठ। कांवड़ यात्रा को सकुशल और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए मंगलवार को मेरठ के बहसूमा स्थित सिद्ध पीठ फिरोजपुर महादेव मंदिर में प्रशासनिक अधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे और मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल ने मंदिर परिसर और कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर, कांवड़ मार्ग, प्रवेश और निकास व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता तथा पेयजल की व्यवस्थाओं का

बारोकी से निरीक्षण किया। एसएसपी अविनाश पांडे ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांतिपूर्ण कांवड़ यात्रा की कामना की।

पौराणिक तालाब के जीर्णोद्धार के निर्देश मंदिर परिसर स्थित महर्षि दुर्वासा की तपोस्थली से जुड़े पौराणिक तालाब की जर्जर स्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तालाब की तत्काल सफाई, सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार कराने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि यह स्थल धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, इसलिए इसके संरक्षण में किसी भी प्रकार की

व्यवस्था से श्रद्धालुओं को राहत मिल रही है।

मेरठ। मेरठ में मंगलवार सुबह की शुरुआत आसमान में छाए घने बादलों के साथ हुई। सुबह से ही मौसम सुहावना बना हुआ है और बीच-बीच में हवाएं चलने से लोगों को उमस से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग ने मंगलवार को शहर में करीब 12 मिमी बारिश होने की संभावना जताई है। दोपहर बाद शहर के साथ-साथ देहात के कुछ क्षेत्रों में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। शहरी क्षेत्र के साथ गंगानगर और आसपास तेज बारिश की सूचना है।जिससे उमस में कमी महसूस की गई। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर कांवड़ यात्रा के दौरान पैदल चल रहे शिवभक्तों को भी राहत महसूस हुई। विभिन्न स्थानों पर लगाए गए शिविरों में पेयजल, छाया और स्वास्थ्य सेवाओं की

व्यवस्था से श्रद्धालुओं को राहत मिल रही है।



मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में मेरठ और आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक होने की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट आ सकती है।दोपहर बाद अचानक घने बादलों और तेज गरज के साथ बारिश

हुई।जिससे मौसम में राहत मिली।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में भी मानसूनी गतिविधियां सक्रिय रहेंगी और रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। इससे तापमान सामान्य के आसपास बना रहेगा, हालांकि उमस पूरी तरह खत्म होने की संभावना फिलहाल नहीं है।वहीं फिजिशियन डॉ की के बिंद्रा ने बताया कि बारिश और

सर्दी-जुकाम और पेट संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। चिकित्सकों ने लोगों को सलाह दी है कि वे उबला या साफ पानी ही पिएं, बाहर का खुला भोजन खाने से बचें, भीगने के बाद तुरंत सूखे कपड़े पहनें और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

कांवड़ यात्रा के दौरान भारी वाहनों के लिए यातायात डायवर्जन

अयोध्या जाने के लिए श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के दौरान जनपद में भारी मालवाहक वाहनों, ट्रक, डीसीएम और ट्रैक्टरों के लिए यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए चार प्रमुख अवधियों में ये प्रतिबंध लगाए हैं। आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को इन डायवर्जन नियमों से छूट दी गई है। प्रशासन ने यात्रियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित मार्गों का पालन करें ताकि कांवड़ यात्रा और श्रावण मेले के दौरान यातायात संचालक रहे। डायवर्जन की प्रमुख तिथियां 8 अगस्त सुबह 8 बजे से 11 अगस्त सुबह 8 बजे तक या भीड़ समाप्ति तक (द्वितीय सोमवार), 15 अगस्त सुबह 8 बजे से 17 अगस्त रात 11 बजे तक या भीड़ समाप्ति तक (नागपंचमी), 23 अगस्त सुबह 8 बजे से 24 अगस्त रात तक या भीड़ समाप्ति तक (चतुर्थ एवं अंतिम सोमवार), 27 अगस्त सुबह 8 बजे से 28 अगस्त रात 11 बजे तक या भीड़ समाप्ति तक (श्रावण पूर्णिमा स्नान एवं मेला समापन)।

मार्गों का प्रमुख डायवर्जन

सुल्तानपुर से आने वाले वाहन कूड़ेभार होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से गुजरेंगे। रायबरेली से आने वाले वाहनों को हलियापुर होकर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की ओर डायवर्ट किया जाएगा। अंबेडकरनगर की ओर से आने वाले वाहन गोविन्दा मोड़दृदोस्तपुरदृपूर्वांचल एक्सप्रेसवे मार्ग अपनाएंगे।बाराबंकी से आने वाले वाहन मिटिरिया, रामसेनहीघाट, हैदरगढ़, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से गुजरेंगे। बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर होकर नवाबगंज (गोंडो) की ओर मोड़ा जाएगा। गोंडा से आने वाले वाहन लकड़मंडीदृलोलपुर मार्ग से जाएंगे, जबकि गोरखपुर से आने वाले वाहनों को लिंक एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से डायवर्ट किया जाएगा। लखनऊ, संतकबीरनगर, बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

अंतर्जनपदीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

मिल्कीपुर-अयोध्या। थाना इनायतनगर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की आठ मोटरसाइकिलें तथा दो खुली हुई मोटरसाइकिलों की चेसिस बरामद की हैं। यह कार्रवाई रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश और पेयजल अधीक्षक (ग्रामीण) व क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने मुकदमा संख्या 300ध2026, धारा 303(2) बीएनएस का सफल अनावरण करते हुए पूरे पाठक का पुरवा, भागीपुर स्थित ब्रह्म बाबा स्थान के पास से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपियों में सुल्तानपुर के बल्दीराय थाना क्षेत्र निवासी अनीस कुमार उर्फ राजू और विजेन्द्र कुमार पाण्डेय उर्फ अतुल कुमार पाण्डेय तथा अयोध्या के कुमारगंज थाना क्षेत्र निवासी गंगा राम और अजय पाण्डेय शामिल हैं। छताछ के बाद पुलिस ने इनके कब्जे से विभिन्न जनपदों से चोरी की गई आठ मोटरसाइकिलें और दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों की चेसिस बरामद की। बरामद वाहनों में स्प्लेंडर,सुपर स्प्लेंडर,एचएफ डीलक्स, पैंशन प्रो और एक स्कूटी भी शामिल है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास है। अजय पाण्डेय और गंगा राम के खिलाफ लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, हत्या के प्रयास और आर्मस् एक्ट सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं विजेन्द्र कुमार पाण्डेय पर चोरी, एनडीपीएस और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में कई मामले दर्ज हैं। अनीस कुमार के विरुद्ध भी पूर्व से आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बरामद वाहनों के संबंध में जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस सफलता में उपनिरीक्षक अमर बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक आलोक कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल राम अवध पाल तथा कांस्टेबल युवराज सिंह की प्रमुख भूमिका रही।

विदेश भेजने के नाम पर फर्जी वीजा बना ठगी का आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। इनायतनगर थाना पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर फर्जी वीजा तैयार कर लोगों से धोखाधड़ी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जनपद से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजते हुए आगे की विधि क कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, थाना इनायतनगर में दर्ज मु.अ.सं. 339ध2025 के तहत आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धोखाधड़ी एवं जालसाजी से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी विदेश भेजने का झांसा देकर लोगों से मोटी रकम वसूलता था और उन्हें फर्जी वीजा एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराता था। जब पीड़ितों को ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर शनिवार (2 अगस्त 2026) को शाम करीब पांच बजे महाराजगंज जनपद के थाना फरेंदा क्षेत्र स्थित औद्योगिक नगर वार्ड संख्या-7, आनंद नगर से आरोपी कमलेश मद्देशिया (28) पुत्र रामचंद्र, निवासी ग्राम महाराजगंज, थाना रुद्रपुर, जनपद देवरिया को गिरफ्तार कर लिया। पृछताछ में पुलिस आरोपी से फर्जी वीजा तैयार कराने के नेटवर्क, उसके सहयोगियों और अब तक ठगी के शिकार हुए अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है और यदि अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

टीनशेड हटाने को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट

अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के रौतावा गांव में टीनशेड हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो को रौतावा गांव का बताया जा रहा है। मामले में दोनों पक्षों ने खंडासा पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर पांच-पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। डर के साए में रह रहे हएक पक्ष से सुरेंद्र कुमार द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि उनके घर के सामने आने-जाने का रास्ता है और रास्ते के सामने पुरवैनी सरिया टीनशेड से बना हुआ है। आरोप है कि विपक्षी टीनशेड को गिराने लगे। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे लेकर मारपीट शुरू कर दी गई। इस दौरान ईंट-पत्थर और गुम्मा भी चलाए गए, जिससे उनकी भाभी को चोटें आईं। आरोप है कि विपक्षी गाली-गलौज करते हुए मौके से भाग गए। इसी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सुरेंद्र कुमार का कहना है कि डर के साए में रह

जिलाधिकारी ने बैठक कर स्मृति दिवस, स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने की तैयारियों की समीक्षा कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

मीरजापुर। भारत वर्ष की आजादी के अमृत महोत्सव अन्तर्गत 14 अगस्त 2026 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान एवं 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्यता के साथ मनाए जाने की तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने जिला पंचायत समागार में जनपद के अधिकारियों, विभिन् स्कूलों, कॉलेजों के प्राचार्य, प्रबंिह, स्वयं सेवी संगठनों के पदािधारीां एवं जनपद के गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक कर तैयारियों को मूर्त रूप देने पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी कि सभी उपरिस्थत अििाकारियों एवं जनपद के गणमान्य नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के विभाजन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सेनानियों की स्मृति में 14 अगस्त 2026 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस शासन के निर्देश व दिए गए मार्ग दर्शन के अनुसार मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी तहसीलों, नगरीय क्षेत्रों, विकास खण्डों में मौन सभा, विभिन्न स्कूलों संगोष्ठी व निबंे।प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में जनपद के

सभी स्कूलों कॉलेजों में आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सूचना विभाग द्वारा निदेशालय से प्राप्त लघु फ़िल्म, प्रदर्शनी आदि का प्रदर्शन कर दिखाया जाएगा। सूचना निदेशालय से प्राप्त डॉक्यूमेंट्री को जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से स्कूलों में भी दिखाया जाए। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर मौन कैंडल मार्च भी स्वयं सेवी संगठनों द्वारा निकाला जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रमों को माई भारत पोर्टल पर अपलोड भी किया जाए। हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बंध में जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी 9 अगस्त 2026 से 17 अगस्त 2026 तक ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में प्रत्येक घरो पर तिरंगा फहराया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान दिलाा और आने वाली पीढ़ी, युवाओं की भावना को जागृत करना मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने डीसी एनआरएलएम व परिश्रोजना अधिकारी डूडा को निर्देशित करते हुए कहा कि तिरंगा निर्माण कार्य प्रत्येक दशा में दोनों विभाग 7 अगस्त 2026 तक लक्ष्य के साप्ेक्ष शत प्रतिशत पूर्ण करते हुए अपर जिलाधिकारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों, नगर पालिकाओं में इस आशय से पहुंचाया जाए कि 8

अगस्त 2026 के सांय काल तक प्रत्येक घर में तिरंगा पहुंच सके। उन्होंने कहा कि तिरंगा बनाने व संग्रह करने का कार्य विभिन्न समारोह के पूर्व सभी कार्यालयों, नगर की गलियों, सड़कों, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों, गलियों व पंचायत भवनों में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ व सुन्दर बनाया जाए। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का जिलाििाकारी सूचना अधिकारी के द्वारा प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक, सोशल मीडिया पर वृहद प्रचार प्रसार किया जाए तथा जनपद में आयोजित होने वाले मैराथन दौड़, अस्पतालों, वृद्धाश्रम, मलिन बस्तियों, जेल व बाल संरक्षण गृह में फल व मिष्ठान स्टिंगत सभी तैयारियां पूर्ण कराने के लिए समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी सरकारी भवनों, कार्यालयों एवं 15 अगस्त 2026 को पूर्वन्ह 8 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट, तहसील, विकास भवन में आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, कारगिल युद्ध में शहीद परिजनों को भी आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया जाए। कलेक्ट्रेट, विकास भवन, तहसील सहित सभी कार्यालयों को आकर्षक ढंग से सजाया जाए। विद्युत झालर लगाए जाए, मुख्य मार्गों, प्रमुख चौराहों पर तिरंगा लाइट से सजाया जाए। स्कूलों में समारोह स्थल पर वाद विवाद

प्रतियोगिता, निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता, रैली आदि का आयोजन किया जाए। स्वतंत्रता दिवस समारोह के पूर्व सभी कार्यालयों, नगर की गलियों, सड़कों, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों, गलियों व पंचायत भवनों में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ व सुन्दर बनाया जाए। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का जिलाििाकारी सूचना अधिकारी के द्वारा प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक, सोशल मीडिया पर वृहद प्रचार प्रसार किया जाए तथा जनपद में आयोजित होने वाले मैराथन दौड़, अस्पतालों, वृद्धाश्रम, मलिन बस्तियों, जेल व बाल संरक्षण गृह में फल व मिष्ठान स्टिंगत सभी तैयारियां पूर्ण कराने के लिए समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी सरकारी भवनों, कार्यालयों एवं 15 अगस्त 2026 को पूर्वन्ह 8 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट, तहसील, विकास भवन में आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, कारगिल युद्ध में शहीद परिजनों को भी आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया जाए। कलेक्ट्रेट, विकास भवन, तहसील सहित सभी कार्यालयों को आकर्षक ढंग से सजाया जाए। विद्युत झालर लगाए जाए, मुख्य मार्गों, प्रमुख चौराहों पर तिरंगा लाइट से सजाया जाए। स्कूलों में समारोह स्थल पर वाद विवाद

चार दिनों से न्यायिक कार्य से विरत चल रहे अधिवक्ताओं ने समाप्त किया आंदोलन

लालगंज (मीरजापुर)। तहसील लालगंज में विभिन्न मांगों को लेकर पिछले चार दिनों से न्यायिक कार्य से विरत चल रहे अििावक्ताओं ने सोमवार को उपजिलाधिकारी अजीत कुमार और तहसीलदार विशाल कुमार शर्मा के साथ हुई वार्ता के बाद अपना आंदोलन समाप्त कर दिया। बैठक में अधिवक्ताओं की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई और उनके समाधान का आश्वासन दिया गया। बैठक में अधिवक्ताओं ने धारा–24 की पत्रावलियों का समयबद्ध निस्तारण, राजस्व निरीक्षकों के स्तर पर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटारा, तहसील परिसर में मूलभूत सुविधाओं में सुधार तथा वादकारियों के हितों को प्राथमिकता देने की मांग रखी।

इस पर उपजिलाधिकारी अजीत कुमार ने कहा कि सभी प्रकरणों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण कराया जाएगा तथा अधिवक्ताओं और वादकारियों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य किया जाएगा।बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता कैलाश नाथ त्रिपाठी, राकेश द्विवेदी, चंद्रदत्त त्रिपाठी, राजेंद्र मौर्य, धनेश्वर गौतम, उमाशंकर पटेल, अशोक मिश्रा, चंद्रदत्त द्वितीय और अनिल शुक्ला सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे। वार्ता के सकारात्मक परिणाम के बाद अििावक्ताओं ने न्यायिक कार्य बहाल करने का निर्णय लिया।

गांव से गायब तीन सहेलियां गुडगाँव में मिली, पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से लापता हुई तीन सहेलियों को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गुडगांव सेक्टर–81 से सकुशल बरामद कर लिया है। थाना लालगंज पर रविवार को एक महिला ने लिखित सूचना दी कि उसकी पुत्री शनिवार को अपनी दो अन्य सहेलियों के साथ स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। सूचना पर थाना लालगंज पुलिस ने धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरु की।

विवेचना के दौरान पता चला कि तीनों लड़कियां गुडगांव सेक्टर–81 पहुंची थीं। सूचना मिलते ही लालगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थानीय पुलिस की मदद से 24 घंटे के अंदर तीनों को बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार तीनों लड़कियों को सकुशल मीरजापुर वापस लाने की कार्रवाई की जा रही है। बरामदगी के बाद परिजनों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है कि तीनों किन परिस्थितियों में घर से निकली थीं।

एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

‘व्यवस्थाओं का एसडीएम ने लिया जायजा, श्रद्धालुओं की सुविधा के दिए निर्देश

मीरजापुर। सावन मास के एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। कोटारनाथ ँगाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। सोमवार को लालगंज के एसडीएम अजीत कुमार ने कोटार नाथ शिव मंदिर पहुंचकर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार, श्रद्धालुओं की कतार व्यवस्था, साफ–सफाई, पेयजल, बैरिकेडिंग तथा सुरक्षा व्यवस्था का भारीी से जायजा लिया। उनके साथ पुलिस अधिकारी एवं मंदिर समिति के सदस्य भी मौजूद रहे। एसडीएम ने निर्देश दिया कि सवक के सभी सोमवारों एवं आगामी शिवरात्रि के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस एवं पीएसी बल की तैनाती, एंबुलेंस तथा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन और निर्बाध

आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्त हाथों में जल, दूध और बेलपत्र लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए उत्साहपूर्वक आगे बढ़ते रहे। ष्टर–हर महादेव के जयघोष से पूरा धाम शिवमय हो उठा।प्रशासन ने श्रद्धालुओं से शांति एवं अनुशासन बनाए रखने तथा पुलिस व स्वयंसेवकों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर गाम पंचायत प्रशासक विनोद सिंह, यशवंत यादव, घनश्याम सिंह तथा महाशंकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।‘प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ है शिवलिंग’कोटारनाथ धाम की विशेषता यह है कि यहां कोई कृत्रिम अथवा स्थापित शिवलिंग नहीं है, बल्कि मान्यता के अनुसार शिवलिंग स्वयंय (स्वतः प्रकट) है। इसी आस्था के कारण जिले के अलावा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों एवं अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या के श्रद्धालु यहां जलाभिषेक करने पहुंचते हैं और भगवान भोलेनाथ

से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। मंदिर पुजारी जै राम गिरि, राजा राम गिरि,शिव राम गिरि, कैलाश गिरि आदि ने दर्शनार्थियों की सहायता में जुटे रहे। सुरक्षा के तौर पर सीओ अमर बहादुर सिंह, थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव मय पुलिस पीएसी के साथ जमे रहे सौरिया व कोटार रोड पर दो बैरियर लगा कर चार चक्का वाहनों को रोका गया । जिससे एक किमी तक भक्तों को पैदल चलना पडा। बरसात के कारण सड़कों से मंदिर परिसर में फिसलन बना रहा। ‘‘गडबडा सीतला धाम में 25 हजार भक्तों ने सावन के पहले किया दर्शन पूजन’’ हलिया क्षेत्र के गडबडा सीतला धाम में सावन के प्रथम सोमवार को 25 हजार भक्तों ने दर्शन पूजन किया। रात से हो रही बरसात के कारण कीचड़ भरी सड़क व परिक्षेत्र में वाहनों को पार्किंग होने व कडाही चढाने में भक्तों को परेशानी का सामना करना पडा दश बजे दिन के बाद बरसात रूकते ही दर्शनार्थियों का हुजूम उमड़ पडा।

सावन के पहले दिन पर शिवमय हुई रामनगरी

अयोध्या। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को रामनगरी अयोध् या पूरी तरह शिवमय हो गई। ‘बोल बम’ और ‘हर हर महादेव’ के जयकारों से नगर गूंज उठा। सरयू तट से लेकर मंदिर परिसरों तक भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। योगी सरकार की व्यापक तैयारियों और जिला प्रशासन की सतर्कता के बीच लाखों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा का अद्भुत नजारा पेश किया। सुबह से ही कांविड़ों और अन्य शिव भक्तों की कतारें दिखने लगीं। सरयू में पवित्र स्नान के बाद भक्त बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए निकल पड़े। शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में विशेष रूप से भीड़ रही।

ऐतिहासिक नागेश्वरनाथ मंदिर में तो श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। यह मंदिर अयोध्या का सबसे प्राचीन और प्रमुख शिवालय माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान राम ने ही इसकी स्थापना की थी। सावन के पहले सोमवार पर यहां शिवलिंग का भव्य श्रृंगार किया गया और भक्तों ने दूध, बेलपत्र, धतूरा और जल अर्पित कर मनोकामनाएं कीं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में भी श्रद्धा का विशेष माहौल रहा। मंदिर के ईशान कोण (उत्तर–पूर्व) में स्थित कुबेर टीला के शिव मंदिर में ट्रस्टी महंत दिनेन्द्रदास

ने अर्चकों के साथ भगवान रुद्र का अभिषेक किया। शिवलिंग का आकर्षक श्रृंगार किया गया। प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के दर्शन को लेकर भी भारी भीड़ उमड़ी। अयोध्या के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी भक्तों का मेला लगा रहा। क्षीरेश्वर नाथ, पंचमुखी महादेव, झारखंडेश्वर महादेव, मऊ शिवाला स्थित शिव मंदिर समेत अन्य शिवालयों में जलाभिषेक के लिए सुबह से ही कतारें लग गईं। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त रखा। वहीं एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

योगी सरकार की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। पानी, शेड, मेडिकल कैंप, ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों की तैनाती को अंतिम रूप दिया गया था। जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोईअसुविधा न हो। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि सावन के पूरे महीने विशेष सुरक्षा और सुविधा व्यवस्थाएं जारी रहेंगी। सभी प्रमुख मंदिरों में सीसीटीवी निगरानी, वॉलंटियर्स और पुलिस बल तैनात हैं। भक्तों

से अपील की गई है कि वे अनुशासन बनाए रखें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। सावन का महीना शिव भक्ति का प्रतीक है। अयोध्या में जहां राम भक्ति का केंद्र है, वहीं शिव और राम की अद्भुत एकता का प्रतीक भी है। भक्तों का कहना था कि राम और शिव दोनों एक ही हैं। कांविड़िया ‘बोल बम’ के नारे लगाते हुए मंदिरों की ओर बढ़ रहे थे। भक्त पैदल कांविड़ लेकर आए थे। सरयू के किनारे आरती और भजन की गूंज सुनाई दे रही थी। हाल के दिनों में राम मंदिर से जुड़े चढ़ावा कांड की खबरें आई थीं, लेकिन इससे श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई। बल्कि पहले सावन सोमवार पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। भक्तों का कहना था कि आस्था किसी भी विवाद से ऊपर है। रामलला के दर्शन के लिए सुबह से शाम तक कतारें लगी रहीं। प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट ने व्यवस्थाएं सुचारु रखीं। सुल्तानपुर से आए श्रद्धालु रामप्रसाद ने बताया कि बाबा भोलेनाथ और प्रभु श्रीराम दोनों एक ही परम तत्व के स्वरूप हैं। सरयू स्नान के बाद नागेश्वरनाथ और रामलला के दर्शन कर मन को अद्भुत शांति

आकाशीय बिजली गिरने से सिविल लाइन का 400 केवीए का ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त

मीरजापुर। जनपद में शनिवार शाम से गरज–चमक के साथ हो रही बारिश होना आरम्भ हुआ। साथ ही कड़क के साथ आकाशीय विजली भी गिरी। इसी क्रम में सिविल लाइन क्षेत्र के अशोका स्पीट के पास लगे 400 केवी के ट्रांसफार्मर पर आकाशीय बिजली गिरने से ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे राजा विजयपुर कोठी, सिविल लाइन के उपभोक्ताओं की विजली बाधित हो गई है। विद्युत विभाग के अभियन्ता व कर्मी काफी मशक्कत कर ठीक करने का प्रयास किया,परन्तु क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर ठीक नहीं हो सका। विजली बाधित होने से विद्युत उपभोक्ताओं ने विद्युत अभियंताओ से मांग किया कि जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर बदल कर विद्युत आपूर्ति बहाल किया जाय। इस सम्बंध में अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड मिर्जापुर इंजीनियर आर. के. यादव ने बताया कि भारी बरसात के साथ आकाशीय बिजली गिरने से क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मा बदल कर शीघ्र विद्युत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा है कि धैर्य बनाये रखे , शीघ्र ही विद्युत आपूर्ति बहाल की जेएगी। इसके लिये सम्बंधित अभियंताओं को निर्देश जारी कर दिया गया है।

सेमफोर्ड स्कूल के बच्चों ने राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026 में लहराया परचम दीप्ति यादव कक्षा 10 की छात्रा ने जीता गोल्ड मेडल

मीरजापुर। लखनऊ के के डी सिंह स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में सेमफोर्ड स्कूल मीरजापुर की छात्रा दीप्ति यादव ने जीता गोल्ड मैडल इसी के साथ शुभ टंडन, सिंधुजा टंडन एवं परि जायसवाल ने जीता सिल्वर मेडल। इस उपलब्धि के विद्यालय के सभी सदस्यों में बहुत खुश हैं। विद्यालय के प्रबंधक ई. विवेक बरनवाल ने सभी को बधाई दी विशेष रूप से विद्यालय के ताइक्वांडो प्रशिक्षक श्री अफसर खान सर को दी बधाई। प्रबंधक ने कहा की यह बच्चो एवं शिक्षकों की कड़ी मेहनत का फल हैं। विद्यालय के बसही शाखा के प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह ने कहा की विद्यालय में हर क्षेत्र में बच्चों का लगातार प्रशिक्षण चलता रहता हैं चाहे वह ताइक्वांडो हो या स्कैटिंग या खेलकूद का कोई क्षेत्र। विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ओलंपिक में आयोजित होने वाले खेलकूद का प्रशिक्षण भी बच्चों को स्पोर्ट्स टीचर के माध्यम से दिया जाता है। लगातार हमारे विद्यालय के बच्चे पढ़ाई लिखाई के साथ अन्य क्षेत्र में भी अच्छा प्रशिक्षण प्राप्त करके विद्यालय का और मिर्जापुर का नाम रोशन कर रहे हैं। नटवा शाखा की प्रधानाचार्या रूक्मिणी खत्री ने बताया की विद्यालय में नर्सरी एलकेंजी यूकेजी क्लास से ही बच्चों के लिए विभिन्न तरह के प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है जिससे कि उनकी रुचि पढ़ाई के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में भी बना रहे। विद्यालय के सभी सदस्यों ने ताइक्वांडो के विद्यालय के प्रशिक्षक अफसर खान को बधाई दी एवं बच्चों के द्वारा उत्कृ ष्ट प्रदर्शन के लिए गर्व महसूस किया। विद्यालय के सदस्य मंजरी खरे रेखा श्रीवास्तव अजीत पांडे अनिल कुमार यादव संगीता शर्मा शबाना परवीन आदि सभी सदस्यों ने पूरे टीम को बधाई दी एवं कहा कि शिक्षक के रूप में जो हम सभी का दायित्व है उसे पूरी निष्ठा से हम सभी निर्वहन कर रहे हैं एवं विद्यालय के समस्त विद्यार्थी चाहे वह राइट टू एजुकेशन की क्यों ना हो सभी को बिना भेदभाव के सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

दुर्घटना में चालक की उडीसा में हुई मौत, शव पहुंचते ही मचा कोहराम

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के बामी गांव निवासी राजकुमार सरोज की 31 जुलाई की रात में उडीसा के रायगढ़ जिले में हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। 2 अगस्त की रात घर पर शव पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। जिस समय शवध गांव पहुंचा काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पूरे गांव में मौत का मातम उतर गया। रात में ही परिजनों और रिश्तेदारों ने शव को गंगा घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। लालगंज थाना क्षेत्र के बामी गांव निवासी राजकुमार सरोज दो माह पहले ट्रक चलाने के लिए उडीसा के रायगढ़ जिले में गए थे जहां से वह टिकरी अलमुनियम फैंक्ट्री के लिए ट्रक लेकर 31 जुलाई की रात में जा रहे थे ट्रक अनियंत्रित होकर एक पेड़ में टकरा गया जिसमें घटनास्थल पर ही 52 वर्षीय राजकुमार सरोज की मौत हो गई। जिस कंपनी का ट्रक चलाते थे उस कंपनी के मैनेजर ने चालक साथियों के सहयोग से शव को पोस्टमार्टम के बाद उनके पैतृक आवास मिर्जापुर के बामी गांव में एम्बुलेंस से रविवार रात में भेज दिया गया था। शव पहुंचते ही घर में कोहराम मच गया। मृतक राजकुमार के छोटे भाई विजय कुमार सरोज ने बताया कि शव का रात में ही अंतिम संस्कार कर दिया गया है। राजकुमार के दो पुत्र व दो पुत्रियां हैं एक पुत्र व दो पुत्रियों की शादी कर चुके हैं। पत्नी और बच्चों सहित परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

करंट की चपेट में आने से वृद्ध महिला श्रमिक की हुई मौत

मीरजापुर। हलिया थाना क्षेत्र के गजरिया गांव में सोमवार सुबह करंट की चपेट में आने से धान की रोपाई करने जा रही एक वृद्ध महिला श्रमिक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्वजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरु कर दी है।थाना क्षेत्र के गजरिया गांव निवासी 65 वर्षीय बैजंती कोल सोमवार सुबह धान की रोपाई के लिए खेत में जा रही थी। इसी दौरान बाण सागर नहर के पास एक ब्यक्ति द्वारा टुल्लू पंप चलाने के लिए बिछाए गए बिजली के तार का कटा हुआ हिस्सा करंट प्रवाहित होने के कारण उनकी चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ीं और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण सौते पर जुट गए और इसकी सूचना स्वजनों के साथ पीआरबी–112 व स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरु कर दी। बताया गया कि बैजंती कोल के पति शिव नाथ का पहले ही निधन हो चुका है। वह अपने पीछे तीन पुत्रों का भरा–पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनकी अचानक मौत से परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है।थानाध यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि करंट लगने से वृद्ध महिला का मृत्यु हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले की जांच कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गंगा पर नया डबल-लाइन पुल बनकर तैयार, 4 अक्टूबर तक 384 ट्रेनों का रूट डायवर्ट, 67 रद्द

पटना । त्योहारी सीजन से पहले पूर्व मध्य रेलवे ने बिहारवासियों को एक बड़ी सौगत दी है। दानापुर रेल मंडल के तहत मोकामा के पास गंगा नदी पर बहुप्रतीक्षित नए रेलवे पुल का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। हालांकि, इस नए पुल पर ट्रेनों की रफतार भरने से पहले इंटरलॉकिंग के काम के चलते यात्रियों को कुछ दिनों तक भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रेलवे ने मेगा ब्लॉक लेते हुए सैकड़ों ट्रेनों का रूट बदल दिया है और कई ट्रेनों को पूरी तरह से रद्द कर दिया है। अगर आप भी ट्रेन से सफर करने वाले हैं, तो घर से निकलने से पहले यह पूरी जानकारी जरूर पढ़ लें।

384 ट्रेनों का बदला रास्ता, 67 गाड़ियां पूरी तरह रद्दपूर्व म्द्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकाारी सरस्वती चंद्र द्वारा दी गई

सोने और चांदी में तेजी के साथ कारोबार, कीमतें एक प्रतिशत तक बढ़ीं

मुंबई .। सोने और चांदी की शुरुआत मंगलवार को तेजी के साथ हुई और दोनों कीमती धातुओं में करीब एक प्रतिशत की बढ़त देखी गई। मल्टी क्मोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,42,915 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,43,569 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।सुबह 9रू50 पर यह 555 रुपए या 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,43,470 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,365 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,43,915 रुपए



(जिसकी कीमत 380 अरब डॉलर थी) हो गई है।साल की दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ, बार और सिक्कों में निवेश घटकर 262 टन रह गया। इस गिरावट की मुख्य वजह दूसरी तिमाही में गोल्ड-बैकड ईटीएफ से 45 टन की निकासी थी, हालांकि साल की पहली छमाही में ईटीएफ की मांग 18 टन के साथ थोड़ी सकारात्मक बनी रही। बार और सिक्कों में निवेश काफी हद तक स्थिर रहाय दूसरी तिमाही में इसमें साल-दर-साल सिर्फ 3 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पहली छमाही की मांग पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 21 प्रतिशत ज्यादा रही, जिसकी वजह पहली तिमाही में हुई जबरदस्त मांग थी।

आकाश चोपड़ा की मुश्किल चेतावनी - डब्लूटीसी फाइनल का रास्ता टीम इण्डिया के लिए आसान नहीं!

आकाश चोपड़ा ने 2025–27 फाइनल में भारत की संभावनाओं को चुनौतीपूर्ण बताया है, मौजूदा समय में टीम पांचवें स्थान पर है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भारत श्रीलंका के खधिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज 0–2 से हारता है, तो उसका अंक प्रतिशत काफी गिर जाएगा और श्रीलंका दौड़ में आ जाएगा, जिससे भारत की राह और मुश्किल हो जाएगी।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि ष्व वर्ल्ड टेस्ट चॉंपियनशिप (ज्) 2025–27 के फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं के मामले में भारत मुश्किल स्थिति में है। भारत के अगले प्रतिद्वंद्वी श्रीलंका के लिए सीरीज जीत उन्हें टॉप चार टीमों में पहुंचा सकती है। भारत 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करने वाला है। फिलहाल, भारत वर्ल्ड टेस्ट चॉंपियनशिप की स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर हैय टीम ने नौ मैचों में चार जीत और चार हार हासिल की हैं और उसका पॉइंट्स प्रतिशत 48.150 है। श्रीलंका छठे स्थान पर है, जिसने एक जीत, एक हार और दो ड्रॉ के साथ 41.67 का पॉइंट्स प्रतिशत हासिल किया

रवींद्र जडेजा का नया अवतार अब हर गेंद पर विकेट दृढ़ता है ये स्पिनर टीम इण्डिया को फायदा

चेतेश्वर पुजारा ने रवींद्र जडेजा की टेस्ट बॉलिंग में आए रणनीतिक बदलाव को उजागर किया है। अब जडेजा केवल रन रोकने के बजाय हर गेंद पर विकेट लेने के इशारे से बॉलिंग करते हैं, जो उनकी खेल समझ और मानसिक दृढ़ता को दर्शाता है। यह बदलती सोच श्रीलंका सीरीज में उनके प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने टेस्ट क्रिकेट में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के खेलने के तरीके में आए बदलाव पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि जडेजा अब सिर्फ रन रोकने के बजाय हर गेंद पर विकेट लेने की कोशिश करते हैं।

जानकारी के अनुसार, इंटरलॉकिंग कार्य के कारण रेलवे यातायात में बड़ा फेरबदल किया गया है। इस दौरान कुल 384 महत्वपूर्ण ट्रेनों को उनके तय रूट की जगह परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। इसके साथ ही 56 ट्रेनों को बीच रास्ते में ही समाप्त (आंशिक समापन) किया जाएगा और 67 ट्रेनें आंशिक रूप से शुरू होंगी। यात्रियों की परेशानी यहीं खत्म नहीं होती, 20 सितंबर 2026 से 4 अक्टूबर 2026 के बीच अलग-अलग तारीखों पर कुल 67 ट्रेनें पूरी तरह से निरस्त रहेंगी। सबसे ज्यादा असर 3 अक्टूबर को देखने को मिलेगा, जिस दिन 36 ट्रेनें रद्द रहेंगी।60 साल पुराने सिंगल लाइन पुल के जाम से मिलेगी निजातमोकामा और बरौनी के बीच गंगा नदी पर मौजूद मौजूदा 1.9 किलोमीटर लंबा रेल-सह-सड़क राजेन्द्र पुल 1959 में बनाया गया था। इस

पुराने पुल पर केवल सिंगल लाइन होने और तकनीकी बाधाओं के कारण लाइन का दोहरीकरण संभव नहीं था। पिछले छह दशकों में ट्रेनों की संख्या और यातायात कई गुना बढ़ गया, जिससे लंबी दूरी की एक्सप्रेस गाड़ियों को बरौनी से पहले ही छोटे स्टेशनों पर घंटों आउटर पर रोकना पड़ता था। यात्रियों की इसी भारी परेशानी को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने नए डबल लाइन पुल का प्रस्ताव मंजूर किया था, जो अब बनकर तैयार है।पीएम मोदी ने किया था शिलान्यास, 1491 करोड़ की ऑई लागतइस महाप्रोजेक्ट को 2015–16 के रेल बजट में मंजूरी मिली थी, जिसकी अनुमानित लागत 1491.47 करोड़ रुपये तय की गई थी। इसके बाद 12 मार्च 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नए पुल की आधारशिला रखी थी। यह नया डबल लाइन रेल पुल पुराने राजेन्द्र पुल के

ठीक समानांतर पटना की दिशा में महज 50 मीटर की दूरी पर बनाया गया है। मुख्य पुल की लंबाई लगभग 1.9 किलोमीटर है, जबकि एप्रोच लाइन को मिलाकर इस पूरे प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 14 किलोमीटर है। पुराने स्टेशनों से ही जुड़ेगा नया रेल नेटवर्क इस बड़े प्रोजेक्ट के तहत गंगा नदी पर मुख्य पुल के अलावा नौ छोटे पुल, दो सड़क ऊपरी पुल और तीन रेल ओवर ब्रिज का भी निर्माण किया गया है। रेलवे ने इस नए पुल का खाका इस तरह से तैयार किया है ताकि मौजूदा पुल के एप्रोच में कम से कम बदलाव करना पड़े। यह नया पुल भी पुराने नेटवर्क की तरह उत्तर में स्थित हाथीदह, टाल और रामपुर डुमरा स्टेशनों को दक्षिण में स्थित राजेन्द्र पुल और बरौनी स्टेशनों से सीधा जोड़ेगा।

पेट्रोल-डीजल निर्यात पर सरकार का बड़ा एक्शन, अचानक बढ़ा दिया टैक्स, जाने आम आदमी पर क्या होगा असर

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच भारत सरकार ने तेल कंपनियों को बड़ा झटका दिया है। भारी मुनाफा कमाने वाली रिफाइनिंग कंपनियों पर नकेल कसते हुए केंद्र ने पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर विडफॉल टैक्स में बड़ा इजाफा कर दिया है। यह सख्त कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब वैश्विक बाजार की स्थितियों का फायदा उठाकर तेल उत्पादक कंपनियां मोटा मुनाफा काट रही थीं। इतनी बढ़ गई टैक्स की दरों केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए नए आदेश के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लगने वाले टैक्स में यह बदलाव 3 अगस्त से तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। अब रिफाइनरी कंपनियों को पेट्रोल के निर्यात पर 2.5 रुपये की जगह 3.5 रुपये प्रति लीटर का विडफॉल टैक्स चुकाना होगा। वहीं,

डीजल के निर्यात पर सरकार ने और भी बड़ा फैसला लेते हुए इस टैक्स को 15.5 रुपये से सीधे बढ़ाकर 24 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अंतरराष्ट्रीय क्रूड ऑयल की कीमतों और निर्यात से हो रहे अप्रत्याशित मुनाफे को संतुलित करने के लिए ही यह दरें बढ़ाई गई हैं।आखिर क्या होता है विडफॉल टैक्स?पेट्रोलियम उत्पादों पर लगने वाले इस विशेष टैक्स की सरकार हर 15 दिन में समीक्षा करती है। दरअसल, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम अचानक काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं, तो तेल उत्पादक और रिफाइनिंग कंपनियों को सामान्य से कहीं अधिक और बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के फायदा होने लगता है। कंपनियों की इसी अप्रत्याशित अतिरिक्त कमाई के एक हिस्से को सरकार टैक्स के रूप में वसूलती है, जिसे आर्थिक

भाषा में श्विडफॉल टैक्सय कहा जाता है। क्या आपके शहर में



महंग ग। पेट्रोल-डीजल?बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस भारी बढ़ोतरी से तेल कंपनियों के निर्यात मार्जिन पर सीधा असर पड़ना तय है, जिससे उनके मुनाफे में बड़ी संघ लग सकती है। हालांकि, आम जनता के लिए बड़ी राहत की बात यह है कि इस फैसले का घरेलू बाजार में मिलने वाले पेट्रोल और डीजल

भीतर ईंधन की कीमतें वैश्विक क्रूड ऑयल के भाव और कई अन्य स्थानीय कारकों पर निर्भर करती हैं, इसलिए पेट्रोल पंप पर ग्राहकों को पुरानी कीमत ही चुकानी होगी। अब निवेशकों और आम लोगों की नजर आने वाले दिनों में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और सरकार की अगली समीक्षा बैठक पर टिकी रहेगी।

भारतीय शेयर बाजार मिलाजुला खुला, रियल्टी और आईटी में बिकवाली

मुंबई .। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को मिलीजुली हुई। सुबह 9रू21 पर सेंसेक्स 149 अंक या 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,788 और निफ्टी 160 अंक या 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,618 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार में बिकवाली का नेतृत्व रियल्टी और आईटी शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी करीब एक प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स थे। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी पीएसई भी लाल निशान में थे। केवल निफ्टी मेटल और निफ्टी एनर्जी हैं। ही हरे निशान में कारोबार हो रहा था। दूसरी तरफ मिडकैप और

स्मॉलकैप में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 87 अंक या 0.23 प्रतिशत



की कमजोरी के साथ 63,535 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 92 अंक या 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,684 पर था। सेंसेक्स पैक में एंशियन पेंट्स, टाटा स्टील, ट्रेंट, आदानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व,

जसप्रीत बुमराह की चोट पर बीसीसीआई चयन समिति नाराज, सीओई के फिटनेस मैनेजमेंट पर उठे गंभीर सवाल

जसप्रीत बुमराह की चोट को लेकर बीसीसीआई चयन समिति और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के बीच समन्वय की कमी के कारण भारतीय क्रिकेट के फिटनेस प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में खिलाड़ियों के रिटर्न टू प्ले प्रोटोकॉल और खेल विज्ञान टीम की कार्यप्रणाली में विसंगतियों की जांच की गई है। भारतीय क्रिकेट में चोट प्रबंधन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं क्योंकि 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)' की खेल विज्ञान एवं चिकित्सा टीम तथा भारतीय पुरुष सीनियर चयन समिति के बीच तालमेल की कमी के कारण जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गये हैं। यह पता चला है कि चयन समिति को शुरुआत में बताया गया था कि बुमराह 15 अगस्त से शुरू होने वाली इस टेस्ट श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहेंगे लेकिन बाद में पता चला कि उनकी चोट उम्मीद से अधिक गंभीर है।खिलाड़ियों की चोट प्रबंधन व्यवस्था पर चर्चा के लिए सोमवार को वीवीएस लक्ष्मण सहित सीओई के शीर्ष अधिकारियों और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के बीच वर्चुअल (ऑनलाइन) बैठक हुई। खेल में चोट लगना स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन अत्याधुनिक सुविधाओं

से लैस सीओई की खेल विज्ञान टीम का प्रदर्शन अब तक अपेक्षाओं के मुताबिक नहीं है। बीसीसीआई में नितिन पटेल के जाने के बाद से खेल विज्ञान विभाग के प्रमुख का पद खाली है। ऐसे में सीओई के अंतरिम खेल विज्ञान प्रमुख ६



।नंजय कौशिक की भूमिका पर भी नजरें हैं, जो बेंगलुरु स्थित काई परफॉर्मेंस सेंटर का संचालन कर रहे हैं।नकी योग्यता पर हालांकि सवाल नहीं हैं, लेकिन खिलाड़ियों की वापसी की समयसीमा तय करने और 'रिटर्न टू प्ले' प्रोटोकॉल के लगातार पालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हर्षित राणा के मामले में भी यह सवाल उठाया जा रहा है कि जब उनका वजन अधिक दिख रहा था तब भी खेल विज्ञान टीम ने उन्हें फिट कैसे घोषित किया। इसके बाद उनकी हैमरिट्रिंग चोट दोबारा उभर आई। इसी तरह

दक्षिण भारत के एक टी-20 विशेषज्ञ बल्लेबाज के इंग्लैंड पहुंचने पर अधिक वजन होने की खबरें थीं। वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी के लगातार चोटिल होने पर भी सवाल उठ रहे हैं।सुंदर जैसे युवा स्पिनर का

बार बार मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से परेशान होना चिंता का विषय है तो वहीं इस बात पर सवाल उठ रहे कि क्या रेड्डी को गेंदबाजी गति बढ़ाने के लिए स्वतंत्र तेज गेंदबाजी कोच स्टीफन जोस के साथ अलग से प्रशिक्षण की अनुमति दी गई थी? क्या 120 किमी प्रति घंटे की रफतार से अचानक 130 किमी प्रति घंटे के मध्य तक पहुंचने का प्रयास उनकी चोट का कारण बना?सीओई के कामकाज पर नजर रखने वाले बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर 'पीटीआई' से कहा, " सबसे सुरक्षित विकल्प

किसी खिलाड़ी को बाहर करना होता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या सीओई की मौजूदा खेल विज्ञान टीम शीर्ष खिलाड़ियों को समय पर मैदान पर वापस लाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रही है।" उन्होंने कहा, "चयनकर्ताओं को भरोसा दिलाया गया था कि बुमराह कम से कम एक टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। अब उन्हें बताया गया है कि पैर की चोट से उबर रहे साई सुदर्शन नेट्स में 75 मिनट बल्लेबाजी कर रहे हैं और चोट से अच्छी वापसी के संकेत दे रहे हैं।लेकिन अगर बाद में यह बताया जाता है कि साई श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट तक फिट नहीं हो पाएंगे तो चयन प्रक्रिया प्रभावित होगी।" भारतीय टीम के फिजियो कामलेश जैन की भूमिका भी अब समीक्षा के दायरे में बताई जा रही है। वह करीब चार वर्षों से भारतीय टीम के साथ हैं और खिलाड़ियों के बीच काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। माना जा रहा है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर और अगरकर इस बैठक के अगले तीन सप्ताह श्रीलंका में रहने के कारण यह स्पष्ट नहीं है कि समीक्षा बैठक आमने-सामने होगी या वर्चुअल माध्यम से होगी।

अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर मैच फिक्सिंग के लिए लगा 8 साल का कड़ा बैन

अमेरिका केअंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अखिलेश रेड्डी का निलंबन न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए बड़ा झटका है बल्कि यह अमेरिकी क्रिकेट की साख पर भी गहरा असर डालता है। अबू धाबी टी10 लीग के दौरान नियमों के उल्लंघन और साथी खिलाड़ियों के लिए उकसाने के आरोपों ने क्रिकेट में बल्लेबाजी में, उन्होंने 1,033 पारियों में 38.27 की औसत से 4,095 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और आठ अर्धशतक शामिल हैं।

विश्लेषणात्मक उदाहरण पेश करता है। अमेरिका के क्रिकेटर बोडुगुम अखिलेश रेड्डी को भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के मामले में आठ साल के लिए सभी तरह के क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी के भ्रष्टाचार रोधी न्यायाधिाकरण ने जांच के बाद उन्हें तीन गंभीर मामलों में दोषी पाया है।मौजूद जानकारी के अनुसार, यह मामला वर्ष 2025 में खेले गए अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट से जुड़ा है। इस

प्रतियोगिता के दौरान आईसीसी ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड की ओर से भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी की भूमिका निर्भाई थी। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर अखिलेश रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई की गई।बता दें कि अखिलेश को मैच के परिणाम, खेल की प्रगति या मुकाबले के किसी भी पहलू को गलत तरीके से प्रभावित करने की कोशिश करने के नियम के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसके अलावा उन पर एक अन्य

खिलाड़ी को भी भ्रष्टाचार रोधी नियम तोड़ने के लिए भ्रित करने, उकसाने या मदद करने का आरोप साबित हुआ है। आईसीसी न्यायाधिकरण ने अखिलेश को जांच में बाधा डालने का भी दोषी माना है। आरोप है कि उन्होंने अपने मोबाइल फोन से कुछ जरूरी संदेश और आंकड़े हटा दिए थे, जो जांच के लिए महत्वपूर्ण हो सकते थे। इसी कारण उनके खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी नियमोंकी एक और धारा के तहत कार्रवाई की गई।

